- 20th Year
- Issue: 171
- 29.10.2026 (THURSDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH



चार राज्यों के विधान परिषद चुनाव में एनडीए ने जीतीं १६ सीटें, सपा को यूपी में पांच पर मिली सफलता

नयी दिल्ली २८/१० (संवाददाता): उज़र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए द्विवार्षिक चुनावों में भाजपा नीत राजग ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की। मतपत्रों से हुए इस मतदान में कांग्रेस चारों राज्यों में खाता खोलने में विफल रही, जबकि सपा ने यूपी में पांच सीटें जीतीं। कर्नाटक की चारों सीटें हारने के बाद सज़ारूढ़ कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है।

चार राज्यों में विधान परिषद की 28 सीट पर हुए चुनावों में भाजपा और राजग के उसके सहयोगियों ने 16 सीट जीतीं, जबकि कांग्रेस को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली। वहीं, समाजवादी पार्टी (सपा) ने उज़र प्रदेश में पांच सीट पर जीत दर्ज की, जिनमें वाराणसी की दो सीट शामिल हैं। महाराष्ट्र में नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की एक सीट को छोड़कर सभी सीट के नतीजे घोषित कर दिए गए।

नागपुर सीट पर भाजपा के उज़्मीदवार सुधाकर कोहले और कांग्रेस के मौजूदा विधान परिषद सदस्य अभिजीत वंजारी के बीच कड़ा मुकाबला जारी था। बिहार में दो निर्दलीय उज़्मीदवारों ने जीत दर्ज की। राज्य में जन सुराज पार्टी ने भी अपना खाता खोला, जबकि पांच मौजूदा विधान परिषद सदस्य अपनी सीट हार गए। कर्नाटक में सज़ारूढ़ कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। पार्टी चारों सीट हार गई। भाजपा ने तीन और जनता दल (सेज़्युलर) ने एक सीट जीती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मतपत्रों से मतदान होने के बावजूद कांग्रेस के खराब प्रदर्शन को लेकर पार्टी पर कटाक्ष किया। विपक्षी दल इलेज़्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के खिलाफ अपने अभियान में मतपत्रों से चुनाव कराने की मांग करते रहे हैं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर एक पोस्ट में कहा, उज़र प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक जैसे चार बड़े राज्यों की 28 सीट पर विधान परिषद के चुनाव हुए। मतदान मतपत्रों से हुआ। अंदाजा लगाइए कि कांग्रेस ने कितनी सीट जीतीं। भाजपा के नेतृत्व वाले सज़ारूढ़ महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र में दो सीट जीतीं, जबकि विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) को दो सीट पर जीत मिली। बिहार में भाजपा ने तीन सीट जीतीं, जबकि जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक-एक सीट जीती। उज़र प्रदेश में शिक्षकों के छह और स्नातकों के पांच निर्वाचन क्षेत्रों, बिहार में शिक्षकों और स्नातकों के चार-चार, कर्नाटक में शिक्षकों और स्नातकों के दो-दो तथा महाराष्ट्र में स्नातकों के तीन और शिक्षकों के दो निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अज़्टूबर को मतदान हुआ था। मतगणना मंगलवार से शुरू हुई थी। इन चुनावों में केवल स्नातक और शिक्षक मतदाता ही वोट डालने के पात्र होते हैं।

मतदान के लिए इलेज़्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के बजाय मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। भाजपा ने कांग्रेस की हार को लेकर उस पर



निशाना साधते हुए कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि मुज़्य विपक्षी दल चुनाव ईवीएम से हों या मतपत्रों से, जनता का समर्थन हासिल नहीं कर सकता। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि जनता का समर्थन मेहनत से मिलता है, मनोरंजन के लिए यात्राएं करने से नहीं। कांग्रेस ने मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री को इतना भरोसा है कि ईवीएम का चुनाव नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ता, तो उन्हें लोकसभा और आगामी विधानसभा चुनाव मतपत्रों से कराने की प्रतिबद्धता जतानी चाहिए। कर्नाटक में जद(एस) ने बेंगलुरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस से छीन लिया।

भाजपा ने उज़र-पूर्व शिक्षक, दक्षिण-पूर्व स्नातक और पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस उज़्मीदवारों को हराया। हालांकि, इन नतीजों से कांग्रेस सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसे भाजपा और जद(एस) के बीच विपक्षी एकजुटता के परिणाम के रूप में देखा जा रहा है। इसे गठबंधन की नैतिक जीत भी माना जा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बेंगलुरु शिक्षक और उज़र-पूर्व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजे मंगलवार को घोषित कर दिए गए थे, जबकि बाकी दो सीट पर मतगणना रातभर जारी रही। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राजग की जीत सज़ारूढ़ कांग्रेस को जनता की ओर से खारिज किए जाने का संकेत है और यह 2028 के विधानसभा चुनावों की दिशा भी दिखाती है। मुज़्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस जनता के फैसले को सज़्मानपूर्वक स्वीकार करती है। उन्होंने माना कि पार्टी को उज़्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी जनता के संदेश का विश्लेषण करेगी और सुधार के लिए जरूरी कदम उठाएगी। उज़र प्रदेश में सपा के मान सिंह यादव ने इलाहाबाद-झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की।भाजपा के मानवेंद्र प्रताप सिंह (गुरुजी) ने आगरा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। पार्टी ने बरेली-मुरादाबाद शिक्षक सीट भी बरकरार रखी, जहां भाजपा उज़्मीदवार हरि सिंह ढिल्लों ने सपा के दानिश अज़्तर को हराया। भाजपा ने लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र भी जीत लिया।

वहां उसके उज़्मीदवार उमेश द्विवेदी ने सपा के सुशील कुमार को हराया। मेरठ में भाजपा ने शिक्षक और स्नातक, दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की। गोरखपुर-फैजाबाद मंडल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने जीत हासिल की।वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के लाल बिहारी यादव ने जीत दर्ज की। आगरा-अलीगढ़ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में सपा उज़्मीदवार आकाश अग्रवाल ने भाजपा के हरि किशोर तिवारी को हराया। वाराणसी और लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में भी सपा उज़्मीदवारों ने जीत दर्ज की। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जीतने वाले पार्टी उज़्मीदवारों से अपील की कि वे विजय जुलूस निकालने से बचें और इसके बजाय सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी जीत की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं। अखिलेश ने 'एज़्स' पर एक पोस्ट में विजेताओं को ऐसी किसी भी गतिविधि से बचने की सलाह दी, जिससे अशांति फैल सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा गड़बड़ी पैदा करने और उसका आरोप सपा पर लगाने की कोशिश कर सकती है। इससे पहले, अखिलेश ने 'एज़्स' पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें आगरा-अलीगढ़ शिक्षक सीट से जीतने वाले सपा उज़्मीदवार आकाश अग्रवाल फटा हुआ कुर्ता पहने दिखाई दे रहे थे। उनके समर्थकों ने आरोप लगाया था कि उन पर हमला किया गया। अखिलेश ने कहा, आगरा से जीत रहे सपा के विधान परिषद उज़्मीदवार डॉ. आकाश अग्रवाल के साथ भाजपा के लोगों ने जो व्यवहार किया, उसे कैसे सही ठहराया जा सकता है, यह भाजपा बताए।

आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब से भारी नुकसान, अमित शाह से जल्द केन्द्रीय टीम भेजने की अपील

अमरावती २८/१० (संवाददाता): आंध्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर, आंध्र प्रदेश में चक्रवात %अरनाब% से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र से मदद मांगी है। मुज़्यमंत्री ने अपने पत्र में चक्रवात की भीषणता के कारण फसलों, घरों, सड़कों और बिजली के खंभों को हुए नुकसान का जिक्र किया है। उन्होंने केंद्र से आग्रह किया है कि चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जल्द से जल्द टीमें भेजी जाएं। चक्रवात राहत और बचाव कार्यों के लिए 14 जिलों में ह्रष्ठक्रस्र की लगभग 16 और स्ष्ठक्रस्र की 11 टीमें तैनात की गई हैं।

साथ ही, चक्रवात प्रभावित इलाकों से 28,000 से अधिक लोगों को पुनर्वास केंद्रों में पहुंचाया गया है। नायडू



ने बताया कि सरकार की पहले से की गई तैयारियों की बदौलत, अब तक किसी की जान जाने की कोई खबर नहीं है।

तूफान की भीषणता के बावजूद, मुज़्यमंत्री ने बताया कि प्रशासन की त्वरित तैयारियों की वजह से कोई जान नहीं गई। आंध्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री ने आगे कहा कि चक्रवात से कोनासीमा, काकीनाडा, पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी, अनाकापल्ली और कृष्णा जिले बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए कंट्रोल रूम और राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।

नायडू ने कहा कि सरकार प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को प्राथमिकता दे रही है, साथ ही बिजली और पेयजल आपूर्ति बहाल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। मुज़्यमंत्री ने यह भी बताया कि चक्रवात से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन करने के बाद केंद्र को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। उन्होंने केंद्र से राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए ह्रष्ठक्रस्र और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का सहयोग जारी रखने का आग्रह किया।

जारी बयान के अनुसार, नायडू ने केंद्र सरकार से लगातार मदद जारी रखने का अनुरोध किया और अमित शाह से अपील की कि नुकसान का आकलन करने के लिए जल्द से जल्द एक केंद्रीय टीम भेजी जाए। मुज़्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश को लगातार समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार का आभार भी जताया। इससे पहले बुधवार को, आंध्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने जिला कलेज़्टरों से लेकर फील्ड-स्तर के कर्मचारियों तक लगभग 32,000 कर्मियों के साथ एक टेलीकॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने चक्रवात %अरनाब% के असर और पूरे राज्य में चलाए जा रहे राहत व पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा-संविधान की नहीं करते परवाह

नयी दिल्ली २८/१० (संवाददाता): बुधवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने संविधान के प्रति राहुल गांधी की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए और कांग्रेस पर गांधी परिवार की इच्छाओं के अनुसार चलने का आरोप लगाया। दिल्ली में पार्टी के एक मार्च को संबोधित करते हुए, नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकतंत्र सुरक्षित है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जिक्र करते हुए, जो अज़्सर अपने साथ (संविधान की प्रति) रखते हैं, नवीन ने कहा कि असल में, उन्हें संविधान की कोई परवाह नहीं है। बीजेपी अध्यक्ष %लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ% पदयात्रा के दौरान बोल रहे थे। यह पदयात्रा लाल किले के पास स्थित श्री जैन लाल मंदिर से शुरू होकर चांदनी चौक



के टाउन हॉल चौक की ओर गई। इस मौके पर दिल्ली की मुज़्यमंत्री रेखा गुप्ता, बीजेपी दिल्ली अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। नविन ने यह भी चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस के नेता गांधी के बयानों पर चलते रहे, तो पार्टी और भी नीचे गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर आप राहुल बाबा की बातों पर चलते रहे, तो कांग्रेस खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाने वाले हैं और 2029 के चुनावों के बाद वे फिर से लाल किले की प्राचीर पर नजर आएंगे। नबिन ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का भरोसा प्रधानमंत्री पर टिका है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सुरक्षित हाथों में है। लोकतंत्र के प्रति जनता का भरोसा प्रधानमंत्री मोदी पर है। अगर लोकतंत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में है, तो यह पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी देश के 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार मानते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस नजरिए की तुलना कांग्रेस के उस रवैये से की, जिसमें पार्टी पूरी तरह से गांधी परिवार पर निर्भर है। नबिन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता बिना किसी सवाल के राहुल गांधी के बयानों और उनके परिवार की इच्छाओं को मान लेते हैं, जो पार्टी के पतन का एक कारण है। नबिन ने विपक्ष पर यह आरोप भी लगाया कि वे मतदाता सूचियों में मृत मतदाताओं के नाम और दोहरी प्रविष्टियों (डुप्लिकेट एंट्री) को वैसे ही रहने देना चाहते हैं, ज़्योंकि ऐसी सूचियां उनके राजनीतिक हितों को साधने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मतदाता भी हैं जिनकी मौत हो चुकी है, लेकिन उनके नाम अभी भी मतदाता सूची में हैं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनके नाम दो जगहों की मतदाता सूचियों में दर्ज हैं। ऐसे करोड़ों मतदाता हैं जिनके नाम एक से अधिक बार दर्ज हैं, जबकि कई अन्य लोगों का कोई अता-पता नहीं है।

नेटवर्क ठप होने से मची अराथफरी, 300 से अधिक उड़ानें प्रभावित, मैनुअल प्रक्रिया से कराया गया 'चेक-इन'

मुंबई २८/१० (संवाददाता): देश के सबसे व्यस्त और प्रमुख हवाई अड्डों में से एक, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार शाम उस समय अचानक अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब नेटवर्क सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण सेवाएं पूरी तरह ठप हो गईं। एक घंटे से अधिक समय तक चले इस डिजिटल व्यवधान (नेविगेशन/सिस्टम आउटेज) के कारण हवाई अड्डे पर उड़ानों की आवाजाही पर बुरा असर पड़ा, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान हवाई अड्डे के कर्मचारियों को 'चेक-इन' की प्रक्रिया मैनुअल तरीके से करनी पड़ी। निजी हवाई अड्डा



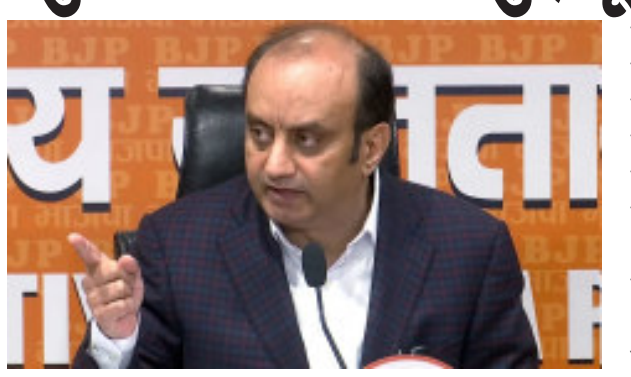
संचालक मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने एक बयान में कहा कि मंगलवार शाम को हवाई अड्डे पर नेटवर्क में अस्थायी व्यवधान आया था। यात्रियों को होने वाली असुविधा कम करने और हवाई अड्डे की आवश्यक सेवाओं को निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए कर्मचारियों ने मैनुअल प्रक्रिया अपनाई। एमआईएएल ने यह भी कहा कि अब तक इस व्यवधान के कारण हवाई अड्डे और उड़ान संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है।

हालांकि, कंपनी ने यह स्पष्ट जानकारी नहीं दी कि नेटवर्क में व्यवधान कितनी देर तक रहा। उडानों की आवाजाही पर नजर रखने वाली वेबसाइट के अनुसार, मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ानों के प्रस्थान में औसतन 50 मिनट की देरी हुई। रात करीब 9:30 बजे तक 327 उड़ानें विलंबित थीं, जबकि 13 प्रतिशत उड़ानें रद्द कर दी गई थीं।

बैलट पेपर से चुनाव में भी कांग्रेस हुई शून्य, भाजपा ने कसा तंज

नयी दिल्ली २८/१० (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी के नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कर्नाटक विधान परिषद चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत के बाद, कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए चुनावी धांधली के आरोपों की आलोचना की। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस उन चुनावों में भी जनता का समर्थन हासिल करने में विफल रही, जो मतपत्रों और मतपेटियों के जरिए कराए गए थे। उन्होंने स्ष्ट चुनावों में कांग्रेस की स्थिति को शून्य बताया और वोट चोरी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि ये कांग्रेस के खराब चुनावी प्रदर्शन से ध्यान भटकाने की कोशिशें हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने चुनावी



प्रक्रिया को लेकर एक झूठ को इतना बड़ा मुद्दा बना दिया, जबकि वे इसे नज़रअंदाज़ कर सकते थे। स्ष्ट चुनावों के नतीजों ने आज उनकी अराजकता फैलाने की इच्छा पर पानी फेर दिया है। भारत के कई राज्यों में हुई विधान परिषद चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन शून्य रहा है। भले ही उन्हें यह अच्छा न लगे, लेकिन सच यही है कि वे शून्य पर हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इन चुनावों में बैलेट पेपर और बैलेट बॉज़्स का इस्तेमाल होने से, इलेज़्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को लेकर कांग्रेस की शिकायतों का कोई आधार नहीं रह जाता।

त्रिवेदी ने कहा कि ये चुनाव बैलेट बॉज़्स और बैलेट पेपर के ज़रिए कराए गए थे। फिर भी, कांग्रेस अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में नाकाम रही।

कांग्रेस के लोगों को यह बात बेहतर ढंग से समझाने के लिए मैं कहूंगा कि वे अपना अस्तित्व साबित करने में भी विफल रहे हैं। इससे साफ होता है कि कांग्रेस में जनता या मतदाताओं का समर्थन हासिल करने की क्षमता नहीं है—चाहे चुनाव श्वङ्करू से हों या बैलेट पेपर से।

त्रिवेदी ने राहुल गांधी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों की भी आलोचना की और सवाल उठाया कि ज़्या इनसे जनता का समर्थन मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी से कहना चाहता हूं कि अगर कोई व्यक्ति भ्रम में जी रहा है या अपना मानसिक संतुलन खो चुका है, तो आप चाहे बैलेट पेपर से चुनाव करवा लें, नतीजा फिर भी वही (शून्य) रहेगा। इसलिए, कांग्रेस को यह समझ लेना चाहिए कि राहुल गांधी—जो लगभग दो हज़्ते तक घूमने-फिरने के बाद अब भारत की अर्थव्यवस्था में मुश्किलें पैदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन की बात कर रहे हैं—उन्हें यह जान लेना चाहिए कि न तो जनता और न ही विधायक उनके साथ हैं।

उन्होंने कांग्रेस की गतिविधियों की तुलना भाजपा नेताओं के कार्यों से की। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबिन के उज़र प्रदेश दौरे और अमित शाह की पंजाब में मौजूदगी का जिक्र किया, जबकि राहुल गांधी पर वियतनाम में घूमने-फिरने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबिन जी उज़र प्रदेश जा रहे हैं। अमित शाह जी पंजाब में हैं, और राहुल गांधी वियतनाम में घूम रहे हैं—फिर उन्हें लगता है कि उन्हें जनता का समर्थन मिल जाएगा। त्रिवेदी ने फिर दोहराया कि समस्या कांग्रेस पार्टी के साथ है, न कि मतदान प्रक्रिया के साथ।



विविध समाचार



दिल्ली में एक नवंबर को कांग्रेस का प्रदर्शन, शिवराज बोले-सत्ता के लिए फैला रहे अराजकता



नयी दिल्ली २८/१०(संवाददाता): केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को दिल्ली में 1 नवंबर को होने वाले कांग्रेस के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन की आलोचना की। उन्होंने इसे कांग्रेस के पतन का संकेत बताया और आरोप लगाया कि पार्टी दिवाली से ठीक पहले जनता की चिंताओं को नजरअंदाज कर रही है। मध्य प्रदेश के भोपाल में मीडिया से बात करते हुए, चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सज़ा में वापसी के लिए अराजकता फैलाना चाहती है और उसका जनता की भावनाओं से कोई लेना-देना नहीं रह गया है। उन्होंने कांग्रेस के एक कार्यकर्ता से जुड़ी घटना का भी जिक्र किया और कहा कि पार्टी के सदस्यों ने उस कार्यकर्ता की बातों को गलत समझ लिया था।

चौहान ने कहा कि यह कांग्रेस के पतन की पराकाष्ठा है। उन्होंने मर्यादा की सारी हदें पार कर दी हैं और वे संविधान की अनदेखी कर रहे हैं। आगामी प्रदर्शन के संबंध में, मंत्री ने बताया कि व्यापारियों ने कांग्रेस से अनुरोध किया था कि वे दिवाली के मौसम में कामकाज में बाधा न डालें। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस को न तो देश की परवाह है और न ही यहां के लोगों की।

व्यापारियों का कहना है कि दिवाली का समय है, ऐसे में उन्हें अपना कारोबार करने और त्योहार मनाने दिया जाना चाहिए। लेकिन कांग्रेस एक जिद्दी बच्चे की तरह व्यवहार कर रही है। व्यापारियों की चिंताओं को ज़्यों नहीं सुना जा रहा है?

इससे पहले मंगलवार को, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की।

उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह दिल्ली पुलिस पर दबाव डाल रही है, ताकि मुज्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के प्रस्तावित जन महाभियोग विरोध प्रदर्शन को बाधित किया जा सके। यह विरोध प्रदर्शन मतदाता सूची के %विशेष गहन पुनरीक्षण% में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। वेणुगोपाल ने बताया कि 25 अज्टूबर से 3 नवंबर तक दिल्ली के रामलीला मैदान का इस्तेमाल करने की आधिकारिक मंजूरी मिलने के बावजूद, पुलिस के दखल के कारण सप्ताहांत पर मैदान की तैयारी का काम रोक दिया गया। उन्होंने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि पुलिस की यह कार्रवाई कोई स्वतंत्र प्रशासनिक फैसला नहीं थी, बल्कि केंद्र सरकार के उच्च स्तर से मिले निर्देश के तहत की गई थी। इसके अलावा, चौहान ने किसानों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं और घोषणा की कि प्रधानमंत्री मोदी 30 अज्टूबर को गुजरात के बनासकांठा से %पीएम-किसान योजना के तहत 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी करेंगे।

सुवेंदु अधिकारी ने सीजेपी पर साधा निशाना, लोगों से पीएम मोदी के साथ खड़े होने की अपील की



कोलकाता २६/१०(संवाददाता): पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी पर एक और तंज कसा, और जिन्हें वे दिमागी नज़सल और टुकड़े-टुकड़े गैंग कहते हैं, उन पर निशाना साधा।

अधिकारी ने ष्टछक्र पर अपना हमला और तेज करते हुए कहा कि क्रूमोदी के साथ खड़े हों, दिमागी नज़सल टुकड़े-टुकड़े गैंग और कॉकरोचों को पनपने न दें। एक दिन पहले ही उन्होंने ष्टछक्रके कथित प्रभाव की तुलना कीड़ों और कोरोनावायरस के फैलने से की थी।

पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम के दौरान मुज्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की पिछली सरकार को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी, वह तुष्टीकरण की राजनीति करती थी और राज्य को %ग्रेटर बांग्लादेश% में बदलने की योजना बना रही थी। उन्होंने आगे कहा कि यही वजह है कि उन्होंने राज्य के लिए एक अलग गीत बनाया, एक झंडा तैयार किया और बांग्लादेश के %जय बांग्ला% नारे को अपना लिया। रविवार को रामनगर में बोलते हुए अधिकारी ने छात्रों के बीच राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में हर साल भाषण, क्विज़ और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कॉकरोच, खटमल और टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसी बुराइयां - जो कोरोनावायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं - उन पर हिट (कीड़े-मकोड़े मारने वाला स्प्रे) छिड़कने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती अगर वे फैलने की कोशिश न करतीं। अधिकारी ने वामपंथी दलों और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (झरुष्ट) के 15 साल के शासन पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दोनों बंगाल की विरासत और संस्कृति को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नास्तिक कज्युनिस्टों के 34 साल लंबे शासन और (झरुष्ट के) 15 साल के कार्यकाल ने लोगों की विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली झरुष्ट सरकार ने शिक्षण संस्थानों में नेशनल कैडेट कोर में नामांकन रोकने की कोशिश की और उसकी जगह जय हिंद वाहिनी शुरू कर दी।

किरेन रिजिजू ने फर्जी एआई वीडियो पर कांग्रेस को घेरा, देश से माफी मांगने की मांग की



नयी दिल्ली २८/१०(संवाददाता): केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कांग्रेस से माफी की मांग की। यह मांग तब की गई जब भारतीय सेना ने कांग्रेस प्रवक्ता द्वारा शेयर किए गए दो वीडियो को गलत साबित कर दिया। इन वीडियो में झूठा दावा किया गया था कि चीनी सेना भारतीय क्षेत्र में घुस आई है और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर उसका कज़्जा हो गया है। ये वीडियो बिहार की कांग्रेस प्रवक्ता रितु चौधरी ने शेयर किए थे। एक वीडियो में कथित तौर पर चीनी वाहनों को भारतीय क्षेत्र में आते हुए दिखाया गया था, जबकि दूसरे वीडियो में एक वरिष्ठ सेना अधिकारी के नाम से झूठी बातें कही गई थीं। इसमें दावा किया गया था कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों पर कज़्जा कर लिया है और भारतीय सैनिकों को जरूरी सामान नहीं मिलने दिया जा रहा है। सेना ने दोनों वीडियो पर स्पष्टीकरण जारी किया; एक को सीमा व्यापार के अधिकृत मार्ग का भ्रामक फुटेज बताया, जबकि दूसरे को डीपफेक करार दिया। पहले वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया में, सेना ने कहा कि फुटेज में सिक्किम के नाथू ला दर्रे (जो भारत-चीन सीमा पर व्यापार का एक तय केंद्र है) पर चीनी कमर्शियल वाहन दिखाई दे रहे हैं, न कि यह किसी सैन्य घुसपैठ का सबूत है।इसमें कहा गया है कि एक अधिकृत सीमा व्यापार मार्ग पर व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही को, चीनी सेना की घुसपैठ के सबूत के तौर पर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। दूसरे वीडियो में लेज़्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया (जो %स्पीयर कॉर्प्स% के जनरल ऑफिसर कमांडिंग यानी तह्रष्ट हैं) का एक छेड़छाड़ किया गया ज़िलप दिखाया गया है, जिसमें वे कथित तौर पर अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर चीन के नियंत्रण के बारे में बात करते हुए सुनाई दे रहे हैं। इस फुटेज के स्रोत के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए, सेना ने बताया कि यह 27 अज्टूबर 2023 को जज़्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में हुई एक प्रेस ब्रीफिंग से लिया गया है, जो %लाइन ऑफ कंट्रोल% (स्पष्ट) के पार घुसपैठ की कोशिशों से जुड़ी थी।इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, लोकसभा में अरुणाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले रिजिजू ने कांग्रेस से मांग की कि वह छेड़छाड़ की गई सामग्री फैलाने के लिए माफी मांगे। साथ ही, उन्होंने कांग्रेस पर सशस्त्र बलों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की छवि खराब करने के लिए फर्जी,ढ्ढ वीडियो फैलाने पर कांग्रेस पार्टी को देश से माफी मांगनी चाहिए। यह एक विश्वासघाती कृत्य है और हमारे दुश्मनों के घिनौने कामों के बराबर है। कांग्रेस पार्टी भारत के दुश्मनों की ओर से एक बेहद निंदनीय अभियान चला रही है।

जेडीयू से बाहर होते ही अनंत सिंह का तीखा हमला, नीतिश कुमार के बिना पार्टी का कोई वजूद नहीं



पटना २८/१०(संवाददाता): बिहार के विधायक अनंत सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में JD(U) से छह साल के लिए निकाल दिया गया है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है और दावा किया कि पार्टी का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने कहा कि मुझे कोई पछतावा नहीं है। जनता भगवान के समान है, और उन्होंने जो भी कदम उठाया है, वह सही फैसला था। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। यह पार्टी नीतीश कुमार की थी और सारे फैसले वही लेते थे। अब पार्टी में बचा ही ज़्या है? इसमें किसका योगदान रहा है? पार्टी ने मुझे तो निकाल दिया, लेकिन उन लोगों ने ज़्या किया है? अब हम आगे ज़्या करेंगे?

उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार अब वहां नहीं हैं। पार्टी उनकी थी, और अब जब वे चले गए हैं, तो पार्टी भी खत्म हो गई है। छ्ष्ठ( ) को कम से कम 10 सीटों पर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। मुझे नहीं पता कि यह कदम उठाने का आदेश किसने दिया; शायद वे लोग जिज़्मेदार हैं जिन्होंने पार्टी पर कज़्जा कर लिया है। सिंह ने आगे कहा कि मैं अपनी खुद की पार्टी बनाऊंगा। मैं जहां हूं, वहीं रहूंगा; मैंने कभी टिकट नहीं मांगा था। मुझे लगता है कि JD(U) का कोई भविष्य नहीं है। चुनाव के दौरान यह साफ हो जाएगा।

नीतीश कुमार पर अपना रुख दोहराते हुए, सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के साथ मेरा कोई मतभेद या विवाद नहीं है। मैं उनसे फिर मिलूंगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं किसी भी पार्टी में जाऊं, नीतीश जी की आलोचना कभी नहीं करूंगा। हाल ही में हुए बिहार विधान परिषद चुनावों के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों के चलते, छ्ष्ठ( ) ने मोकामा के विधायक अनंत सिंह और उनकी पत्नी, पूर्व विधायक नीलम देवी को 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया है।JD(U) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने शनिवार को इस कार्रवाई की घोषणा की। उन्होंने इसके पीछे कई कारण बताए, जैसे- पार्टी के निर्देशों का बार-बार उल्लंघन करना, पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना, और पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में पार्टी उज़्मीदवार का विरोध करना तथा %जन सुराज% से जुड़े उज़्मीदवार के समर्थन में प्रचार करना। इस कार्रवाई की घोषणा करने वाले एक पत्र में, कुशवाहा ने कहा कि अनंत सिंह की प्राथमिक सदस्यता छह साल के लिए खत्म कर दी गई है।

ईवीएम की जगह पेपर बैलट से हों चुनाव, खरगे ने एक नवंबर को बुलाई वोट बचाओ रैली



नयी दिल्ली २८/१०(संवाददाता): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने सोमवार को भाजपा पर अपना हमला तेज करते हुए एक भावुक जन अपील जारी की और देश भर के नागरिकों से 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली %वोट बचाओ - देश बचाओ% रैली में शामिल होने का आग्रह किया। एज़्स पर अपनी अपील पोस्ट करते हुए, खर्गे ने मोदी सरकार पर व्यवस्थित मतदाता दमन और डिजिटल अनियमितताओं के बढ़ते आरोपों के बीच मुज़्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आरोप लगाया। हालिया जांच निष्कर्षों और सूचना के अधिकार (आरटीआई) आवेदनों के जवाबों का हवाला देते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) दोनों पर गंभीर आरोप लगाए। वोट चोरी के अनगिनत खुलासों के बाद भी, मोदी सरकार ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर संभव हथकंडा अपना रही है! खरगे ने कहा कि जब आरटीआई के माध्यम से एसआईआर में प्रयुक्त सॉज़्टवेयर के बारे में जानकारी मांगी गई, तो चुनाव आयोग ने %व्यापारिक गोपनीयता% का हवाला देते हुए जवाब देने से इनकार कर दिया। उज़र प्रदेश में 16.18 लाख फॉर्म-6 आवेदनों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। पीलीभीत में 10,470 मतदाताओं के रिकॉर्ड में अनियमितताएं पाई गईं। अब, उन्हें पूरे राज्य में फॉर्म 6, 7 और 8 की जांच का आदेश देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत के खिलाफ विपक्षी गठबंधन द्वारा उठाई गई मांगों के चार्टर को रेखांकित करते हुए, खार्गे ने तीन प्राथमिक आवश्यकताओं को दोहराया - मुज़्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का तत्काल इस्तीफा और उन्हें कानूनी संरक्षण प्रदान करने वाले 2023 के नियुक्ति कानून को पूरी तरह से निरस्त करना।

विशेष गहन संशोधन सॉज़्टवेयर/प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए, साथ ही मतदाता सूची से अवैध रूप से हटाए गए सभी मतदाताओं के नाम तुरंत बहाल किए जाएं और भविष्य के सभी चुनावों में इलेज़्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (श्वङ्करू) को समाप्त करके पेपर बैलेट का उपयोग किया जाए। भाजपा और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत के खिलाफ भारत गठबंधन की तीन प्रमुख मांगें स्पष्ट हैं= 1. मुज़्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा और उन्हें संरक्षण प्रदान करने वाले 2023 के कानून को रद्द किया जाना चाहिए। 2. स्ड्ढक्र को तत्काल रोका जाना चाहिए। अवैध रूप से हटाए गए मतदाताओं के नाम बहाल किए जाने चाहिए। 3. सभी चुनाव पेपर बैलेट के माध्यम से कराए जाने चाहिए। 1 नवंबर के प्रदर्शन को केवल चुनावी विवाद नहीं बल्कि एक व्यापक संवैधानिक अभियान के रूप में परिभाषित करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष ने व्यापक जनभागीदारी की अपील की।

युवाओं को जेन जी और जेन अल्फा में बांटने की जरुरत नहीं-नितिन

पणजी २८/१०(संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केअध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि युवाओं को 'जेन जी', 'जेन अल्फा' या अन्य पीढ़ियों के आधार पर बांटने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर बदलाव लाने की इच्छा रखता है, उसे युवा माना जाना चाहिए। नवीन ने पणजी में भाजपा की ओर से आयोजित 'युवा संवाद' कार्यक्रम में युवाओं से बातचीत के दौरान कहा कि युवाओं की परिभाषा केवल उम्र के आधार पर तय नहीं की जानी चाहिए। जब तक किसी व्यक्ति में बदलाव लाने और जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा है, तब तक वह युवा है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब देश के कई हिस्सों में मुज़्य रूप से 'जेन जी' के नेतृत्व में युवाओं के प्रदर्शन हुए हैं।

विपक्षी दल कांग्रेस भी विभिन्न शहरों में युवाओं तक पहुंच बनाने के कार्यक्रम आयोजित कर रही है। 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' जैसे पीढ़ीगत वर्गीकरण का इस्तेमाल बढ़ने का जिक्र करते हुए नवीन ने कहा कि युवाओं को इस तरह के आधार पर बांटने या उनमें फर्क करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ''आज के युवाओं को अलग-अलग श्रेणियों में नहीं बांटा जाना चाहिए। युवा वह है जो संघर्ष करना चाहता है, आगे बढ़ना चाहता है और मानता है कि कड़ी मेहनत तथा लगन से वह अपने जीवन, राज्य और देश में बदलाव ला सकता है।''

नवीन ने कहा कि युवाओं की परिभाषा किसी खास आयु वर्ग तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक लोगों में बदलाव लाने और जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा बनी रहती है, वे युवा हैं। उन्होंने कहा, ''जब तक किसी व्यक्ति में बदलाव लाने, संघर्ष करने और आगे बढ़ने की चाहत है, तब तक वह युवा है, चाहे उसकी उम्र 15 साल हो या 40 या 45 साल।''

जेन जी 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों की पीढ़ी को कहा जाता है। ''जेन अल्फा'' उस पीढ़ी को कहा जाता है जिसका जन्म मुज़्य रूप से 2010 से 2024 -2025 के बीच हुआ है। यह जेनरेशन जी के बाद और जेन बीटा से पहले की पीढ़ी है। नवीन ने बताया कि भाजपा अपनी युवा शाखा के जरिए युवाओं के साथ संवाद कर रही है और इस कार्यक्रम का मकसद उनके साथ सीधे बातचीत को बढ़ावा देना था। इस मौके पर गोवा के मुज़्यमंत्री प्रमोद सावंत और भाजपा की गोवा इकाई के अध्यक्ष दामोदर नाइक भी मौजूद थे।

ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग से तृणमूल कांग्रेस पर दावेदारी से जुड़ा विवाद जल्द सुलझाने की मांग की

कोलकाता २८/१०(संवाददाता): पश्चिम बंगाल की पूर्व मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को निर्वाचन आयोग से आग्रह किया कि वह विरोधी गुट को और समय दिए बिना तृणमूल कांग्रेस पर दावेदारी को लेकर जारी विवाद की जांच जल्द पूरी करे। निर्वाचन आयोग के सचिव अश्विनी कुमार मोहल को बुधवार को लिखे पत्र में ममता ने अनुरोध किया कि आयोग ''तृणमूल कांग्रेस पर दावेदारी को लेकर जारी जांच को जल्द से जल्द पूरा करे और विरोधी गुट को अपनी दलीलें पेश करने के लिए कोई और तारीख न दे।'' उन्होंने लिखा, ''चूंकि यह मामला पश्चिम बंगाल में गंभीर राजनीतिक प्रभाव डालने वाला है, इसलिए मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि जांच जल्द से जल्द पूरा करें और उन्हें (विरोधी गुट) अपनी दलीलें पेश करने के लिए कोई और तारीख न दें।'' ममता ने दावा किया कि आयोग द्वारा बार-बार अतिरिक्त समय दिए जाने के बावजूद विरोधी गुट जवाब दाखिल नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, ''इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि छह जुलाई 2026 के पत्र में हमने जो भी दलीलें और बयान दिए हैं, उन्हें मान लिया गया है और उनके पास हमारी दलीलों का कोई जवाब नहीं है।'' ममता ने आरोप लगाया कि विरोधी गुट बार-बार दिए जा रहे अतिरिक्त समय का दुरुपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा दृढ़ विश्वास है कि आपके द्वारा बार-बार अतिरिक्त समय दिए जाने के कारण त्रह्मब्रत बनर्जी और अन्य लोग अपने मामले को मजबूत करने के लिए झूठे सबूत गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं.




विविध समाचार






करवा चौथ पर इस सरल विधि से करें पूजा

करवा चौथ एक शुभ हिंदू त्योहार है, जब विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। इस पावन दिन पर महिलाएं अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए कठोर उपवास का पालन सूर्योदय से चंद्रोदय तक करती हैं। ऐसा माना जाता है कि जो महिलाएं इस व्रत को रखती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य प्राप्ति का वरदान मिलता है। साथ ही जीवन में खुशहाली आती है।

पूजन सामग्री

चंदन, शहद, घृत, माचिस, पुष्प (लाल और पीले), कच्चा दूध, शक्कर, शुद्ध घी, दही, मिठाई, गंगाजल, शुद्ध जल, कुंकू, अक्षत (चावल), सिंदूर, मेहंदी, महावर, कंघा, बिंदी, चुनरी, चूड़ी, बिछुआ, मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन, दीपक, रुई, कपूर, गेहूं, शक्कर, हल्दी, पानी का लोटा, गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी, लकड़ी की चौकी, छलनी, आठ पूरियों की अठावरी, हलवा, दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, आदि।

पूजन विधि

करवा चौथ के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। फिर सरगी ग्रहण करें। इसके बाद निर्जला व्रत का संकल्प लें। फिर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें। मंदिर में शिव परिवार की विधिवत पूजा करें। उन्हें पुष्प, फल, मिठाई और मेवे आदि अर्पित करें। करवा चौथ की व्रत कथा का पाठ करें या सुनें। शाम के समय फिर से पूजा की तैयारी शुरू कर दें। एक पूजा थाली लें और उसमें फूल, फल, मिठाई, धूप-दीप, रोली आदि रखें। इसके पश्चात करवा लें और उसमें चावल भरकर उसे दक्षिणा के रूप में रख दें। चांद निकलने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य दें। फिर छन्नी में जलता हुआ दीपक रखें और चंद्र दर्शन करें। इसके बाद उसी छन्नी से अपने पति का मुख देखें। फिर पति के हाथों से पानी पीकर अपना व्रत खोलें। पूजा में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना करें। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। फिर पूजन में उपयोग की गई शृंगार की सामग्री और करवा को सास या किसी सुहागिन स्त्री को दे दें और उनका भी आशीर्वाद लें। अंत में सात्विक भोजन ग्रहण करें।



क्यों मनाया जाता है करवा चौथ, क्या है इसके पीछे की कहानी?

करवा चौथ का पर्व मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, सुरक्षा, और सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है. इसका धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व है, जो इसे एक विशेष और महत्वपूर्ण त्योहार बनाता है. करवा चौथ के व्रत से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं और कहानियां हैं, जो करवा चौथ व्रत का महत्व और इसे मनाने का कारण बताती हैं.

करवा चौथ हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं द्वारा रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है. यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है. इस व्रत का धार्मिक महत्व तो है ही, साथ ही यह पति-पत्नी के रिश्ते को और मजबूत बनाने में भी मदद करता है. करवा चौथ व्रत का व्रत पति की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना से किया जाता है. यह व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है. माना जाता है कि यह व्रत महिलाओं को सौभाग्य प्रदान करता है. यह व्रत हिंदू धर्म की परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसलिए यह व्रत भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है. आइए जानते हैं कि करवा चौथ व्रत क्यों मनाया जाता है.

पूजा का शुभ मुहूर्त

करवा चौथ के दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त का विशेष महत्व माना जाता है। साल 2026 में पूजा का शुभ समय शाम 5 बजकर 38 मिनट से 6 बजकर 56 मिनट तक बताया जा रहा है। इस दौरान महिलाएं करवा माता की पूजा कर सकती है।

कब चांद निकलेगा

करवा चौथ के व्रत में चंद्रमा के दर्शन का विशेष महत्व होता है। पंचांग के अनुसार, 29 अक्तूबर 2026 को चंद्रोदय रात करीब 8 बजकर 17 मिनट पर होने की संभावना है। इसके बाद आप अपने व्रत का पारण कर सकती हैं।

क्यों मनाया जाता है करवा चौथ?

वीरवती की कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, प्राचीन काल में वीरवती नाम की एक सुंदर और धर्मनिष्ठ राजकुमारी थी. वह अपने सात भाइयों की इकलौती बहन थी. विवाह के बाद, वीरवती ने पहली बार अपने पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखा. उसने दिनभर अन्न-जल ग्रहण नहीं किया और पूरी श्रद्धा के साथ व्रत का पालन किया. लेकिन दिन ढलते-ढलते भूख और प्यास के कारण वह अत्यधिक कमजोर हो गई. वीरवती की यह दशा देखकर उसके भाई चिंतित हो गए. वे अपनी बहन की हालत देखकर दुखी हो गए और उसे व्रत तोड़ने के लिए मनाने लगे, लेकिन वीरवती ने कहा कि जब तक चंद्रमा उदित नहीं होता, वह व्रत नहीं तोड़ेगी. वीरवती के भाइयों ने अपनी बहन की हालत देखकर एक उपाय सोचा. उन्होंने पेड़ की आड़ में छल से एक दर्पण का उपयोग करके नकली चंद्रमा बना दिया. भाइयों ने वीरवती से कहा कि चंद्रमा निकल आया है और उसे देखकर व्रत तोड़ लो. वीरवती ने वह नकली चंद्रमा देखकर व्रत तोड़ दिया और जल ग्रहण कर लिया. जैसे ही उसने व्रत तोड़ा, उसे यह सूचना मिली कि उसका पति गंभीर रूप से बीमार हो गया है. वीरवती को तुरंत आभास हुआ कि उसने चंद्रमा की पूजा बिए बिना और सही समय से पहले व्रत तोड़ दिया, जिसके कारण यह अनहोनी हुई. वह अत्यधिक दुखी हुई और पश्चाताप करने लगी. अपने पति की लंबी आयु के लिए वीरवती ने दृढ़ संकल्प किया और पूरी श्रद्धा के साथ करवा चौथ का व्रत फिर से रखा. उसकी भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर माता पार्वती ने उसे आशीर्वाद दिया और उसका पति स्वस्थ हो गया.

महाभारत काल से जुड़ी कथा

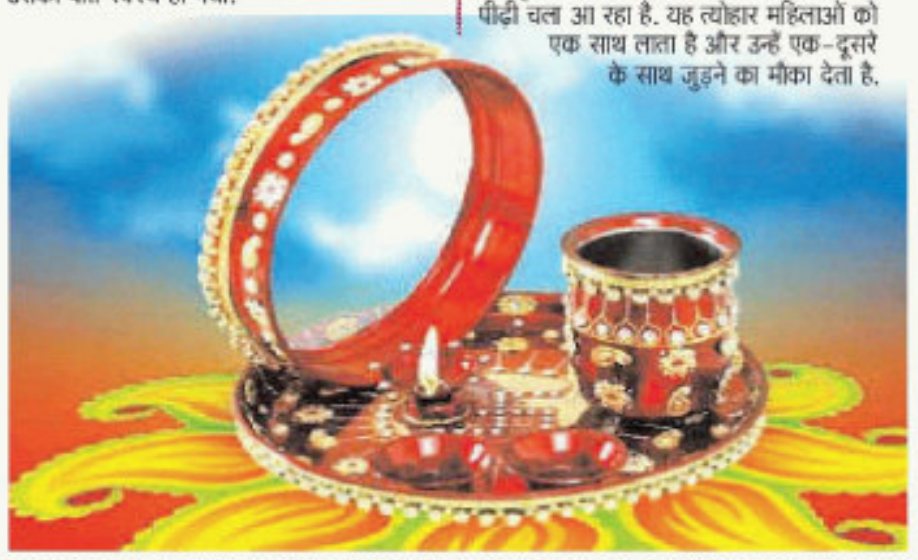
महाभारत में भी एक कहानी है जो करवा चौथ से जुड़ी हुई है. जब अर्जुन युद्ध करने नीलगिरी पर्वत पर गए थे, तो द्रौपदी बहुत चिंतित थीं. उन्होंने भगवान कृष्ण से अपने पति की सुरक्षा के लिए मार्गदर्शन मांगा. कृष्ण ने उन्हें करवा चौथ का व्रत रखने और शिव-पार्वती की पूजा करने की सलाह दी. द्रौपदी ने व्रत रखा, जिससे अर्जुन सुरक्षित रहे. कथाओं में इस कहानी को भी करवा चौथ से जोड़ कर देखा जाता है.

करवा और पति की कथा

तीसरी प्रसिद्ध कथा करवा नामक महिला की है, जो अपने पति के प्रति अत्यधिक समर्पित थी. एक दिन जब उसका पति नदी में स्नान कर रहा था, तब एक मगरमच्छ ने उसे पकड़ लिया. करवा ने अपने पति की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प किया और मगरमच्छ को एक सूती धागे से बांध दिया. फिर उसने यमराज से प्रार्थना की कि मगरमच्छ को दंड दें और उसके पति की रक्षा करें. यमराज करवा के समर्पण से प्रभावित हुए और मगरमच्छ को दंडित किया औरउसके पति को दीर्घायु का आशीर्वाद दिया. इस तरह की और भी पौराणिक कथाएं हैं जिन्हें करवा चौथ के व्रत से जोड़कर देखा जाता है.

करवा चौथ व्रत का महत्व

करवा चौथ एक ऐसा त्योहार है जो विवाहित महिलाओं के लिए बेहद खास होता है. यह त्योहार पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है. माना जाता है कि इस व्रत को रखने से पति की उम्र लंबी होती है. करवा चौथ का व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है. यह व्रत दोनों के बीच के बंधन को और मजबूत बनाता है. यह व्रत महिलाओं को सौभाग्य प्रदान करता है. माना जाता है कि इस व्रत को रखने से महिलाएं सुखी और समृद्ध जीवन जीती हैं. करवा चौथ भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है. यह त्योहार महिलाओं को एक साथ लाता है और उन्हें एक-दूसरे के साथ जुड़ने का मौका देता है.





सुहागिनों का पवित्र एवं सौभाग्य का व्रत करवा चौथ

करवा चौथ का पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। इस बार यह त्योहार 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन विवाहिताएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। साथ ही अच्छे वर की कामना से अविवाहिताएं भी करवा चौथ का व्रत रखती हैं।

सुहागिनों का पवित्र एवं सौभाग्य का व्रत करवा चौथ इस बार 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है।

सार तो सभी का एक होता है-पति की दीर्घायु। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाती हैं, 16 श्रृंगार करती हैं एवं पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं।

करवा चौथ व्रत विधि : करवा चौथ में लगने वाली आवश्यक पूजन सामग्री को एकत्र करें। व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- 'मम सुख सौभाग्य पुत्र-पौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।'

पूरे दिन निर्जला रहें। दीवार पर गेरू से फलक बनाकर चिरे चावलों के घोल से करवा मांडें। इसे 'वर' कहते हैं। चित्रित करने की कला को 'करवा धरना' कहा जाता है। 8 पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं। पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं। गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें। जल से भरा हुआ लोटा रखें। वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें। रोली से करवे पर स्वस्तिक बनाएं। गौरी-गणेश और चित्रित करवे की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना कर पढ़ें यह मंत्र -

नमस्त्यै शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभा।
प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे।

करवे पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें। कथा सुनने के बाद करवे पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें। 13 दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें। रात्रि में चंद्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें। पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।





इन 6 विशेष नियमों के बिना अधूरा माना जाता है करवाचौथ व्रत

करवाचौथ का त्योहार इस साल 29 अक्टूबर को है। हिन्दू पंचांग के अनुसार करवाचौथ का पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवाचौथ पर सुहागिनें अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है और विधि-विधान के साथ पूजा करके अपने विवाहित जीवन की खुशहाली के लिए प्रार्थना करती हैं। विभिन्नताओं से भरे इस देश में करवाचौथ व्रत मनाने के कई तरीके हैं। सभी लोग अपनी-अपनी परम्पराओं का निर्वाह करते हुए करवाचौथ के विभिन्न रीति-रिवाज और नियमों का अनुसरण करते हैं लेकिन करवाचौथ के कुछ विशेष नियम ऐसे हैं, जिन्हें हर व्रती महिलाओं को मानना चाहिए। आइए, जानते हैं करवाचौथ के व्रत के नियम।

निर्जला रखा जाता है व्रत

करवाचौथ व्रत में कई जगह सरगी का रिवाज है। सरगी सास बहुओं को देती है, जिसमें मेवे, फल, मिठाई, और श्रृंगार का सामान शामिल होता है। इसे सूर्योदय से पहले खाना होता है। इसके बाद रात्रि तक चंद्रदेव को अर्घ्य देने तक निर्जला व्रत का पालन करना होता है। अगर किसी महिला के परिवार में सरगी की परम्परा नहीं है, तो भी कर कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि लगने के बाद कुछ खाने या पीने से परहेज करते हुए निर्जला व्रत का पालन करें।

इन 6 चीजों को श्रृंगार में जरूर करें शामिल

आप अपनी पसंद के अनुसार किसी भी रंग के कपड़े पहन सकते हैं और श्रृंगार कर सकते हैं लेकिन करवाचौथ पर विवाहित महिलाओं को श्रृंगार की 6 चीजों को धारण जरूर करना चाहिए। ये 6 श्रृंगार हैं- मेहंदी, सिंदूर, मंगलसूत्र, चूड़ियां, बिंदी और बिछिया। करवाचौथ के दिन इन चीजों को धारण करके विधि-विधान के साथ करवा माता की पूजा करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और वैवाहिक जीवन खुशहाल बनता है।

चांद देखकर ही खोलें व्रत

करवाचौथ का सबसे जरूरी और विशेष नियम है कि विधि-विधान के साथ पूजा करने के बाद रात्रि में चंद्रदेव की पूजा और उन्हें अर्घ्य जरूर दें। साथ ही करवाचौथ की कथा सुनने के साथ ही भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय, गणेश जी की पूजा भी जरूर करनी चाहिए। इससे आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है और आप जीवन में तरक्की करते हैं।

मिट्टी के करवे से देना चाहिए चंद्रदेव को अर्घ्य

करवाचौथ के त्योहार में यह नियम भी विशेष है। करवाचौथ पर व्रती महिलाओं को चंद्रमा को मिट्टी के करवे से ही अर्घ्य देना चाहिए। मिट्टी का करवा शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि मिट्टी का करवा धरती तत्व का प्रतीक है। इस कारण से मिट्टी का करवा अर्घ्य देने के लिए विशेष माना जाता है।

विधि-विधान के साथ पूजा करके दान जरूर करें

करवाचौथ पर विधि-विधान के साथ पूजा करके दान को भी बहुत ही आवश्यक माना गया है। करवाचौथ का व्रत रखने वाली महिलाएं एक थाली में श्रृंगार का सामान चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर, शीशा, कंघी, रिबन और शगुन आदि अपनी विवाहित सास, जेठानी या फिर विवाहित वरिष्ठ महिला को दे सकती हैं।

पूर्व मुखी होकर करें करवाचौथ व्रत की पूजा

करवाचौथ व्रत की विशेष पूजा की व्यवस्था के लिए मंदिर इस तरह से लगाना चाहिए कि पूजा करते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर रहे और पीठ पश्चिम दिशा में। इसका अर्थ यह है कि करवा माता का मंदिर भी पूर्व दिशा में स्थापित करें। करवाचौथ व्रत की पूजा या फिर किसी भी मांगलिक कार्य की पूजा को पूर्व दिशा की तरफ मुख करके ही करना चाहिए।

कलिंग समाचार



संपादकीय

आंदोलनकारियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

पेपर लीक के खिलाफ हुए छात्र प्रदर्शनों के मामले में अब एक तरफ पुलिस की दमनकारी नीति पर लगातार सवाल उठ रहे हैं, वहीं एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और धर्मेन्द्र प्रधान को जरा भी अहसास है कि उन्होंने अपने पद और शक्ति का कितना दुरुपयोग किया है। सोमवार को जब संसद सत्र लगा तो भाजपा सांसद धर्मेन्द्र प्रधान भी पहुंचे। इस्तीफा देने के बाद वे पहली बार संसद आए थे और वहां भाजपा सांसदों ने उनका शानदार स्वागत किया। प्रधान जैसे ही अपनी कार से उतरकर संसद भवन की तरफ बढ़े तो भाजपा और एनडीए के सांसदों ने उन्हें घेर लिया, उनसे मिलने की, उनसे हाथ मिलाने की होड़-सी लग गई। मानो प्रधान ने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली हो। संसद में प्रधान के स्वागत पर प्रतिक्रिया देते हुए ओडिशा की भाजपा सरकार के मंत्री बिभूति जेना ने कहा, %धर्मेंद्र प्रधान जैसा मंत्री ओडिशा की शान है। शिक्षा मंत्री बनने के बाद उन्होंने कई कल्याणकारी काम किए हैं, पेपर लीक जैसी ख़ामियों को दुरुस्त करने के लिए कई क़दम उठाए, दोबारा परीक्षा कराई।गृहमंत्री अमित शाह ने भी लिखा कि धर्मेन्द्र प्रधान जी ने अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, मातृभाषाओं में परीक्षाओं की व्यवस्था, पीएम श्री विद्यालयों के विस्तार, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने, कौशल विकास एवं उद्योग-अकादमिक समन्वय को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। अब बस प्रधानमंत्री मोदी के ही प्रमाणपत्र की कसर रह गई है। मोदी भी लिख सकते हैं कि आंदोलन के कारण प्रधान का इस्तीफा लेना पड़ा, वर्ना उनसे बेहतर शिक्षा मंत्री न कोई था, न कोई होगा। पता नहीं धर्मेन्द्र प्रधान का किस तरह का प्रभाव या दबाव नरेन्द्र मोदी पर है कि वे उन्हें मंत्री पद से हटाना ही नहीं चाहते थे। राहुल गांधी ने कहा था कि उन्हें खबर है कि मोदी प्रधान को शिक्षा मंत्री पद से हटाएंगे तो दूसरा मंत्रालय दे सकते हैं, लेकिन हम यह होने नहीं देंगे। अब कॉकरोच जनता पार्टी की तरफ से भी यही खबर है कि सरकार की तरफ से चर्चा में शामिल जे पी नड्डा और जितेन्द्र सिंह ने प्रस्ताव रखा था कि धर्मेन्द्र प्रधान को किसी और मंत्रालय में भेजा जाए। लेकिन सीजेपी के लोगों ने इसे स्वीकार नहीं किया। लिहाजा मोदी को मजबूरी में धर्मेन्द्र प्रधान को मंत्रिमंडल से ही हटाना पड़ा। मगर अब उनका स्वागत और तारीफें यही जाहिर कर रही हैं कि धर्मेन्द्र प्रधान को मोदी किसी भी तरह नाराज नहीं करना चाहते। इसका यह भी मतलब है कि सवा महीने से चल रहे आंदोलन और फिर राहुल गांधी के भी मैदान में उतरने से नरेन्द्र मोदी की कुर्सी पर खतरा बढ़ने लगा तो धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफा लिया गया। इसमें पेपर लीक होने की जि मेदारी और नैतिकता दिखाने जैसी कोई बात नहीं है। सरकार जानती है कि इस बार जैसा आंदोलन इतनी जल्दी फिर खड़ा करने में मुश्किल आएगी। इस बार सरकार ने भी अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करना शुरु कर दिया होगा। वैसे सरकार ने पहली कोशिश आंदोलनकारियों के दमन की ही की थी, जिसके खिलाफ कई याचिकाएं भी सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई थीं। मंगलवार को सुनवाई के दौरान मु य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि सभी मामलों में लगभग समान मुद्दे सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि याचिकाओं में पैलेट गन के इस्तेमाल से एक 19 वर्षीय युवक की आंखों की रोशनी जाने, इलेक्ट्रिक बैटन के कथित उपयोग, एक युवती के गंभीर रूप से घायल होकर आईसीयू में भर्ती होने, वकीलों के साथ मारपीट और एक पत्रकार पर हमले जैसे आरोप शामिल हैं। मु य न्यायाधीश ने कहा कि इन मामलों पर लंबी बहस की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि विवाद का मूल मुद्दा स्पष्ट है। उन्होंने यह भी दोहराया कि छात्र अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे और शांतिपूर्ण विरोध करना मौलिक अधिकार है। वहीं प्रदर्शनकारियों को बड़ी राहत देते हुए अदालत ने एफआईआर पर दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है और साथ ही केंद्र समेत 7 राज्यों को नोटिस जारी किया गया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने साफ कहा है कि दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देश के किसी भी राज्य में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अमेरिका का विश्व में आतंक, फायदा केवल पाकिस्तान को!

शकील अख्तर

अमेरिका केवल आज्ञाकारी शासक चाहता है। जनता से उसे कोई मतलब नहीं होता। वह शासकों की पूरी मदद करता है कि वे अपनी जनता को अशिक्षित, अंधविश्वासी बना कर रखें। मुस्लिम देश यही कर रहे हैं। साइंस टेक्नालाजी अंग्रेजी की पढ़ाई कहीं नहीं है। पीढ़ियां पीछे की तरफ जा रही हैं। ऐशोआराम के नकली सामान जो अमेरिका पहुंचाता है उनका उपयोग शान के साथ करते हैं। खुद के यहां कुछ नहीं बनता। युद्ध में हत्याएं नहीं होती। हत्या होती है आतंकवाद में। जो अमेरिका सबसे ज्यादा आतंकवाद के खिलाफ बात करता है वही अब सबसे बड़ा आतंकवादी बन कर दिखा रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कहीं युद्ध के मोर्चे पर नहीं थे। उनके द तर में मुखबिरों की मदद से उनकी हत्या कर दी गई।

कोई नेता अपने देश में भी सुरक्षित नहीं है। उसके आसपास के लोग खरीदे जाएंगे और जब अमेरिका को वह फायदेमंद नहीं लगेगा उसे खतम कर दिया जाएगा। पहले अमेरिका उन्हें बदल देता था। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में यह उसने बहुत किया है और आज वहां उसका सबसे वफादार आदमी प्रधानमंत्री बनकर बैठा है। खैर पाकिस्तान पर हम लिखेंगे इसी लेख में आगे मगर पहले अमेरिका की दादागिरी और दुनिया के 55 से ज्यादा मुस्लिम देशों के आत्मसमर्पण पर।

ईरान में खामेनेई की हत्या से पहले वह इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मार चुका है। उस समय भी मुस्लिम देश खामोश रहे और आज तो उनमें से अधिकांश बेशर्मी के साथ अमेरिका के साथ खड़े हैं। इजराइल का नाम हम इसलिए नहीं लिख रहे कि उसका अपना अलग से कोई अस्तित्व नहीं है। वह जो है अमेरिका की सहायता से ही है। हां, लेकिन फिर भी सऊदी अरब, कुवैत, यूएई और भी कई मुस्लिम देश गजा के नरसंहार से आंखें मूंदकर उससे दोस्ती कर चुके हैं और अमेरिका के तो सब गुलाम हैं।

अमेरिका केवल आज्ञाकारी शासक चाहता है। जनता से उसे कोई मतलब नहीं होता। वह शासकों की पूरी मदद करता है कि वे अपनी जनता को अशिक्षित, अंधविश्वासी बना कर रखें। मुस्लिम देश यही कर रहे हैं। साइंस टेक्नालाजी अंग्रेजी की पढ़ाई कहीं नहीं है। पीढ़ियां पीछे की तरफ जा रही हैं। ऐशोआराम के नकली सामान जो अमेरिका पहुंचाता है उनका उपयोग शान के साथ करते हैं। खुद के यहां कुछ नहीं बनता। यहां तक कि जो सबसे बड़ी दौलत है तेल उसे भी अपने आप नहीं निकाल सकते। साफ करना तो दूर की बात है। तेल भी अमेरिका ही निकालता है और वही बताता है कि किसे बेचना है किसे नहीं।

पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर होकर वे खुद को सुरक्षित समझते हैं। मगर यह भूल जाते हैं कि सुरक्षित तभी तक हैं जब तक अमेरिका के उद्देश्यों की पूर्ति कर रहे हैं। जैसे ही एक भी हां में हां सही स्वर में नहीं मिलाई वह अब केवल सत्ता परिवर्तन नहीं करता सीधे कत्ल ही कर देता है। दो उदाहरण बताए। दो सबसे ताकतवर मुस्लिम देशों के शासकों के। ईराक के सद्दाम हुसैन और ईरान के खामेनेई के। कत्ल। आतंकवाद का एक पहलू और होता है डर ज्यादा से ज्यादा फैलाना। तो इसके लिए वह वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाकर ले गया। सोचिए किसी देश में घुसकर उसके राष्ट्रपति और उस की पत्नी को भी उठाकर ले जाना!

और विश्व चुप रहे! गुंडागर्दी, आतंकवाद, डर और किसको कहते हैं? मुस्लिम देश अभी समझ नहीं रहे। वे तो अमेरिका के द्वारा दी गई सुविधाओं और सुरक्षा के झूठे आश्वासनों में झूम रहे हैं। लेकिन शासकों के एशोआराम अलग बात है लेकिन अगर ईरान की जनता लड़ गई तो यह मैसेज पूरे मुस्लिम देशों में जाएगा कि उनके भी अब खड़े होने का वक्त आ गया है। अरब देशों की जनता को वहां के शासक अमेरिका से मिलकर बाकी दुनिया से कई साल पीछे कर चुके हैं और उसी का नतीजा है कि आज जब लड़ाई ड्रोनों, मिसाइलों, कंप्यूटर से हो रही है तो वे उसके लड़ने की सोच भी नहीं सकते। कल उनके साथ कुछ होगा तो सिवा समर्पण के वे कुछ नहीं कर सकते। ज़्यादा जानें शीर्षक खोज उपकरण बजट 2019 विश्लेषण विदेश समाचार सेवा ईरान पर अमेरिका इजराइल के हमले के बहुत पहलू हैं। अगर रुस और चीन खड़े नहीं हुए तो एक ध्रुवीय व्यवस्था बन जाना। तेल के दाम बढ़ जाना। स्ट्रेट आफ होर्मुज (जलडमरू मध्य) बंद हो जाने से तेल का आना ही रुक जाना। मगर इस समय हम दो ही मुद्दों पर बात करना चाह रहे हैं। एक, जो लिखा कि 55 से ज्यादा देश होते हुए, एक शानदार विरासत रखते हुए, प्राकृतिक संसाधनों तेल से भरपूर होते हुए केवल समय के साथ न चल पाने के कारण आज किस तरह अमेरिका और इजराइल के भी पिछलग्गू बन गए। दूसरा मुद्दा सीधा भारत से जुड़ा है। देश के सभी सीनियर डिप्लोमेट्स, टापब्यीरोक्रेट और रक्षा विशेषज्ञ जानते हैं कि आपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान क्यों ट्रंप को ज्यादा से ज्यादा खुश करने में लगा हुआ है। अगर कोई नहीं जानता तो वह हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी हैं। जो या तो जानते नहीं हैं। या जैसा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कह रहे हैं कि उनकी गर्दन दोनों हाथ से ट्रंप ने दाब रखी है। ट्रंप के एक हाथ में बदनाम एपस्टीन की फाइलें हैं।

राहुल के अनुसार अभी 35 लाख और हैं। और राहुल का ही दावा है कि उसमें प्रधानमंत्री मोदी के बारे में है! एक उस हाथ का दबाव। दूसरा हाथ अडानी के खिलाफ क्रिमिनल केस लिए हुए है और राहुल कहते हैं अडानी का केस मतलब भाजपा का पूरा आर्थिक साम्राज्य। अडानी पर अगर कार्रवाई होती है तो भाजपा का सारा पैसा जो उसके पास है डूब जाएगा। खत्म हो जाएगा। राहुल कहते हैं इन दोनों कारणों से मोदी जी ट्रंप के सामने बोल नहीं सकते। ज़्यादा जानें समाचार सदस्यता ताज़ा ख़बरें सूचना ब्रेकिंग न्यूज़ अलर्ट फिलहाल राहुल इस दबाव की वजह से अमेरिका से हुई डील और उससे देश की खेती किसानी तबाह हो जाने, गारमेन्ट इंडस्ट्री खत्म हो जाने और देश के छोटे और लघु मध्यम उद्योग धंधे (एमएसएमई) की कमर टूट जाने की तरफ देश का ध्यान आकृष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। आर्थिक तूफान की चेतावनी दे रहे हैं। लेकिन एक और जो इसका महत्वपूर्ण पार्ट है उस पर अभी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। हां जैसा कि ऊपर लिखा देश का डिप्लोमेट ब्यूरोक्रेट रक्षा अधिकारी इसको समझ रहे हैं।

लेकिन या तो वे प्रधानमंत्री से बोल नहीं पा रहे या मोदी सुनकर भी राहुल के शब्दों में कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं। वे पूरी तरह क प्रोमाइज्ड (समझौते के अन्तर्गत, दबाव में) हैं। पाकिस्तान ट्रंप को खुश करके कश्मीर मुद्दा उठाना चाहता है। याद कीजिए आपरेशन सिंदूर में जब हमारी सेना पाकिस्तान को निर्णायक सबक सिखाने जा रही थी तो ट्रंप ने न केवल सीज फायर करवाया बल्कि कश्मीर मामला हल करने की भी बात कही थी। पाकिस्तान यही चाहता है। जबकि हमारा स्टैंड बिल्कुल स्पष्ट है कि कश्मीर अन्तरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं है। इस पर कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। आज तक भारत अपने इसी स्टैंड पर मजबूती से कायम रहा है। और पाकिस्तान तो इसे अन्तरराष्ट्रीय विषय बनाकर मध्यस्थता चाहता ही है मगर कभी किसी दूसरे विदेशी ताकत की हि मत नहीं पड़ी कि वह कश्मीर के मामले में दखल दे। इन्दिरा जैसी लौह महिला की बात तो छोड़ दीजिए देश में कोई भी प्रधानमंत्री रहा हो किसी ने भी अमेरिका या किसी और को कश्मीर का क या के बोलने की भी इजाजत नहीं दी। यह भारत की सबसे बड़ी चिंता होना चाहिए।

अमेरिका के मनमाने फैसलों के खिलाफ हमें खड़ा होना पड़ेगा। ईरान पर हमले के बाद अगर अमेरिका ज्यादा ताकतवर हो गया तो सीधा नुकसान हमारा होगा और पाकिस्तान इसका फायदा उठाने की कोशिश करेगा। ये जो इजराइल से दोस्ती वगैरह की बातें है यह कोई काम नहीं आएंगी। अमेरिका के सामने इजराइल एक शब्द नहीं बोल पाएगा। उसका पाकिस्तान से झगड़ा नहीं है। भारत में कोई इन्ट्रेस्ट नहीं है। उसका सीधा संबंध अमेरिका से है। अमेरिका उसके हित में खाड़ी देशों में काम कर रहा है। बाकी जगह वह अमेरिका के हिसाब से काम करेगा।



एआई शिखर समेलन और कोटा के कोचिंग कारखाने

जगदीश रत्तनानी

भौगोलिक संदर्भ एआई सभी तकनीकी कार्य करता है जो कभी इंजीनियरों का क्षेत्र था, यह केवल एनईपी का दृष्टिकोण है जो बचाव में आ सकता है। हमें समग्र रूप से बहुमुखी प्रतिभा वाले छात्रों का निर्माण करने की आवश्यकता है जो नई दुनिया के अनुकूल हों और चमक सकें। संदर्भ, मूल्यों और सामुदायिक गियरिंग के अभाव में तकनीकी ज्ञान, स्वयं की सेवा करने और डिग्री का उपयोग करने के विचार के साथ समुद्र पार नौकरी के लिए भागना एनईपी के आदर्शों के अनुरूप नहीं है।

जब देश नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर स मेलन से खुश था तभी एक विश्वविद्यालय द्वारा रोबोडॉग विकसित करने के भयानक दावे ने उसे विचलित कर दिया। यह रोबोडॉग वास्तव में चीन से आयात किया गया था। इसी समय जुड़वां बच्चों ने देश का ध्यान अपनी तरफ खींचा जो प्रवेश परीक्षाओं में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए थे। वे प्रवेश परीक्षाएं जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। दोनों घटनाओं में एक में झूठ की कहानी प्रस्तुत की गई है और दूसरी में बहुत प्रयास और कष्ट के बाद मिलने वाली उपलब्धि व सफलता की कहानी है।

इसमें से अधिकांश कहानियां कोटा, राजस्थान की परीक्षा कोचिंग कारखानों से आती हैं। एक को हर उस चीज के रूप में देखा जाता है जो भारत के साथ गलत है; दूसरे, आईआईटी जैसे संस्थानों द्वारा दावा जाता है, जो भारतीय तकनीकी उत्कृ ष्टता के एक उच्च स्तर की निशानी है।

उ मीद है कि जुड़वां बच्चे अच्छा प्रदर्शन करेंगे और माता-पिता और देश को गौरवान्वित करेंगे। फिर भी दो कहानियां- एक विफलता की और दूसरी उपलब्धि की- भारत के लिए समान रूप से परेशान करने वाली हैं जहां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित, (एसटीईएम- स्टेम)- साईंस, टेक्नालॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) स्नातकों की सं या लगातार बढ़ रही है लेकिन रचनात्मकता, नवाचार या विश्व स्तरीय समाधानों के मामले में बहुत खराब प्रदर्शन है जो देश और छात्रों द्वारा किए गए निवेश को सही ठहरा सकता है।

हमने उस निजी विश्वविद्यालय की कड़ी निंदा की है जिसने एआई से संबंधित बुनियादी ढांचे में 350 करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया था। लेकिन चिंता उत्पन्न करने वाले कु छ मुद्दे भी हैं। हमारे नियामक एक विश्वविद्यालय को लगभग हर नेतृत्व की स्थिति, शैक्षणिक और प्रशासनिक के साथ प्रवर्तक परिवार के सदस्य के कब्जे वाले कार्य करने की अनुमति कैसे देते हैं? जैसा कि इस मामले में आरोप लगाया गया है। आखिरकार पेटेंट फाइलिंग एक खेल कैसे बन जाता है या कोरोना वायरस को मारने के लिए बर्तनों को पीटने पर विश्वविद्यालय के तहत एक पेपर कैसे लिखा जाता है? इस घटना ने इस बात को उजागर किया कि भारत इन संदिग्ध साख वाले निजी संस्थानों द्वारा उच्च शुल्क पर चलने वाली शिक्षा प्रणाली में किस बुरी तरह फंस गया है। निजी क्षेत्र के कुछ उदाहरणों के अलावा जिनके पास उच्च मानक हैं या सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान जो संसाधनों और शैक्षणिक स्वतंत्रता पर भारी दबाव के बावजूद रुके हुए हैं, विज्ञान

भारत में शेष उच्च शिक्षा क्षेत्र के बारे में बहुत कुछ नहीं कहा जा सकता। यह चिंताजनक है क्योंकि छात्रों की बड़ी सं या सार्वजनिक संस्थानों के बजाय निजी संस्थानों में पढ़ती है। ग्लैमर और समझौता करने वाली स ती को जोड़कर विषमता जटिल तरीकों से खेलता है जबकि सार्वजनिक शिक्षा में घटता निवेश उन लोगों से अवसरों को दूर करता है जो निजी क्षेत्र द्वारा मांगी जाने वाली फीस का भुगतान नहीं कर सकते हैं।

प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय (च-12) 2021-22 के नवीनतम उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि देश में कुल विश्वविद्यालयों में सरकारी विश्वविद्यालयों की सं या 58.6 प्रतिशत हैं जिसमें कुल नामांकन का 73.7 प्रतिशत है। निजी विश्वविद्यालय (41.4 फीसदी), स्वायत्त, डिग्री देने वाले और आम तौर पर कहीं अधिक स्तर पर फीस के साथ कुल नामांकन का हिस्सा 26.3 प्रति सैकड़ा है जो और बढ़ रहा है। लेकिन यह पूरी तस्वीर नहीं है। निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त कॉलेजों की सं या 78.5 प्रतिशत है; सरकारी कॉलेज कुल कॉलेजों का 21.5 फीसदी हैं। इससे यह सामने आता है कि भारत में उच्च शिक्षा में अधिकांश नामांकन किसी न किसी रूप में निजी क्षेत्र के संस्थान में हैं। उच्च शिक्षा के निजीकरण की प्रवृत्ति अच्छी तरह से पहचानी, स्पष्ट है और अक्सर अ यास का विषय है।

इसका खतनाक पहलू यह है कि स त मानदंडों और अच्छे विनियमन के अभाव में शिक्षा कुछ लोगों के लिए पैसा कमाने का जरिया बन जाएगी (जैसे अस्पतालों में पहले से ही पैसा है) जबकि भारत का बड़ा हिस्सा शिक्षित नहीं रहेगा इसलिए विकास आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए देश सुसज्जित नहीं होगा। शिक्षा क्षेत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश शिक्षा के अपने व्यापक दृष्टिकोण के साथ नई शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने की तैयारी कर रहा है जो न्यायसंगत, बहु-अनुशासनात्मक, समग्र और भारतीय लोकाचार में निहित है। यह नीति %चरित्र निर्माण और 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र और सर्वांगीण व्यक्तियों का निर्माण' करने की बात करती है। सार्वजनिक निवेश के बिना इन लक्ष्यों तक पहुंचने की संभावना कम है। एक संतुलित दृष्टिकोण है जो शिक्षा क्षेत्र को सार्वजनिक भलाई के रूप में फलता-फूलता देखना चाहता है और सभी के लिए सुलभ है। ज़्यादा जानें बॉलीवुड समाचार पत्रिका खेल समाचार ऐप हिंदी समाचार सदस्यता फिर भी यह अविस्मरणीय है कि विशेष रूप से प्रसिद्ध एसटीईएम शिक्षा अपने आप में एक अंत बन गई है। कोटा और अन्य जगहों के प्रशिक्षण शिविरों और आईआईटी तैयारी स्कूलों में युवा वयस्कों के दबाव, रटने और कड़ी मेहनत में इसे देखा जाता है। पिछले ह ते संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) में उड़ीसा के जुड़वां भाइयों के समान अंकों के साथ उत्तीर्ण होने के बाद आयोजित समारोहों की तस्वीरें देखीं लेकिन यह भी देखा कि क्या खो गया-स्कोर प्राप्त करने के लिए बच्चों को बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़ी जिसके बारे में माना जाता है कि यह उनके जीवन को बदल देगा (और अगले सीजन में प्रवेश परीक्षा तैयारी केंद्र में अधिक पैसा लाएगा)।

लेकिन विशेष रूप से इंजीनियरों को एआई के युग में पुनर्विमुख होना होगा। जैसा कि माना जाता है कि एआई सभी तकनीकी कार्य करता है जो कभी इंजीनियरों का क्षेत्र था, यह केवल एनईपी का दृष्टिकोण है जो बचाव में आ सकता है। हमें समग्र रूप से बहुमुखी प्रतिभा वाले छात्रों का निर्माण करने की आवश्यकता है जो नई दुनिया के अनुकूल हों और चमक सकें। संदर्भ, मूल्यों और सामुदायिक गियरिंग के अभाव में तकनीकी ज्ञान, स्वयं की सेवा करने और डिग्री का उपयोग करने के विचार के साथ समुद्र पार नौकरी के लिए भागना एनईपी के आदर्शों के अनुरूप नहीं है।

तेजी से बदलती दुनिया में, यह तकनीकी विशेषज्ञों की भी सेवा नहीं करेगा। भौगोलिक संदर्भ दार्शनिक मार्था नुसबाम इसे अच्छी तरह से समझाती हैं-%भारत की शैक्षिक संस्कृति में प्रगतिशील आवाजें हुआ करती थीं, जैसे कि महान टैगोर, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि अगर विकसित कल्पना और परिष्कृत आलोचनात्मक संकायों द्वारा उपयोग नहीं किया जाता है तो दुनिया में सभी कौशल बेकार हैं, यहां तक कि हानिकारक भी। अब वैश्विक बाजार में लाभप्रदता की बढ़ती मांग ने इस तरह के विचारों को खामोश कर दिया है। माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे विपणन योग्य कौशल सीखें और उनका सबसे बड़ा गौरव भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान या भारतीय प्रबंधन संस्थान में बच्चे का प्रवेश है। मुझे लोकतंत्र के लिए डर है, जब इसे विनम्र इंजीनियरों द्वारा चलाया जाता है जैसा कि यह तेजी से होगा,... राजनेताओं के प्रचार की आलोचना करने में असमर्थ और दूसरे इंसान के दर्द की कल्पना करने में असमर्थ।



विविध समाचार



बठिंडा में भीषण सड़क हादसा : अमरनाथ यात्रियों से भरा टेंपो ट्रैवलर ट्राला से टकराया, 4 की मौत–8 घायल

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा–बीकानेर नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में अमरनाथ यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं से भरे टेंपो ट्रैवलर की सड़क किनारे खड़े ट्राला से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में 4 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 8 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो ट्रैवलर का अगला हिस्सा करीब 3 से 4 फीट तक पिचक गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों और राहत टीमों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया।

सभी घायलों को तत्काल बठिंडा स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए बठिंडा के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। जानकारी के अनुसार, राजस्थान से 11 से 12 श्रद्धालु टेंपो ट्रैवलर में सवार होकर अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुए थे। बुधवार सुबह करीब 7 बजे जब वाहन बठिंडा के डाबा जोर गांव, जोधपुर रोमाना और गुरुसर सानेवाला के बीच पहुंचा, तभी सड़क किनारे खड़े एक ट्राला से पीछे से जा टकराया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो ट्रैवलर के परखच्चे उड़ गए और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद वाहन में फंसे यात्रियों की चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहतकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला। सहारा जन सेवा संस्था के कार्यकर्ता संदीप सिंह ने बताया कि सुबह कंट्रोल रूम से हादसे की सूचना मिलते ही उनकी टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। सिविल अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल अधिकारी डॉ. लवदीप सिंह ने बताया कि सहारा जन सेवा संस्था द्वारा लाए गए घायलों में तीन लोगों को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित किया गया, जबकि एक अन्य घायल की मौत एम्स ले जाते समय हो गई।

सभी घायल यात्रियों का इलाज एम्स बठिंडा में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में सड़क किनारे खड़े ट्राला से टकराने को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है।

मोदी सरकार जल्द दिलाएगी करतारपुर, फिल्लौर और आदमपुर के लोगों को बंद रेलवे फाटकों से राहत

जालंधर। विधानसभा करतारपुर और फिल्लौर से पूर्व विधायक पूर्व मुख्य संसदीय सचिव अविनाश चंद्र कलेर ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू से मुलाकात कर फिल्लौर, करतारपुर और आदमपुर विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख रेलवे फाटकों पर अंडरब्रिज एवं ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर विस्तृत लिखित आवेदन सौंपा। कलेर ने कहा कि इन विधानसभा क्षेत्रों में लंबे समय से बंद रहने वाले रेलवे फाटकों के कारण लोगों को प्रतिदिन भारी जाम, समय की बर्बादी और आपातकालीन परिस्थितियों में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि विधिपुर, गोराया, फिल्लौर स्थित बाबा साहिब अंबेडकर चौक के समीप रेलवे फाटक, फिल्लौर–बिलगा रेलवे फाटक तथा आदमपुर विधानसभा के खुर्द सहित अन्य प्रमुख रेलवे फाटकों पर प्राथमिकता के आधार पर अंडरब्रिज एवं ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाए। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कलेर को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार आम जनता की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रेल मंत्रालय इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाएगा, ताकि करतारपुर, फिल्लौर और आदमपुर के लोगों को वर्षों पुरानी रेलवे फाटक की समस्या से स्थायी राहत मिल सके। अविनाश चंद्र कलेर ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी सरकार लगातार पंजाब में आधुनिक रेलवे ढांचे का विस्तार कर रही है और जनता की सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कर रही है।

पानीपत में कबाड़ी फैक्ट्री में दर्दनाक हादसा, कपड़े की गांठ के नीचे दबकर महिला श्रमिक की मौत

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में थाना पुराना औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत एक कबाड़ी फैक्ट्री में हुए दर्दनाक हादसे में एक महिला श्रमिक की मौत हो गई। फैक्ट्री में काम के दौरान कपड़े की भारी गांठ गिरने से महिला उसके नीचे दब गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान उत्तर प्रदेश के कैराना निवासी माया देवी के रूप में हुई है। वह पिछले कुछ समय से फैक्ट्री में मजदूरी कर रही थी। बताया जा रहा है कि घटना के समय वह अन्य श्रमिकों के साथ काम कर रही थी। इसी दौरान अचानक कपड़े की भारी गांठ गिर गई और वह उसकी चपेट में आ गई। हादसे के बाद फैक्ट्री में मौजूद अन्य मजदूरों ने तत्काल माया देवी को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुराना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतका के भाई मोनू ने फैक्ट्री मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि फैक्ट्री में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब में महिलाओं की बल्ले-बल्ले, मावां-धीयां सत्कार योजना लॉन्च

चंडीगढ। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को अपने गृह जिले धूरी से बहुप्रतीक्षित 'मुख्यमंत्री मावां–धीयां सत्कार योजना' लॉन्च की। इस योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं के खातों में तीन महीने की सम्मान राशि एकमुश्त जमा की गई। करीब 1100 करोड़ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। योजना के तहत 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को लाभ दिया गया है। सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1,000 प्रति माह और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1,500 प्रति माह की सहायता राशि दी जाएगी। पहली बार सरकार ने तीन महीने की किस्त एक साथ जारी की है। इसके तहत सामान्य वर्ग की महिलाओं के खातों में 3,000, जबकि SC वर्ग की महिलाओं के खातों में 4,500 जमा किए गए।

राजनीति करने नहीं दुख–दर्द बांटने आया हूँ : सीएम सुक्खू

धर्मशाला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जिला कांगड़ा के दुर्गम क्षेत्र बड़ा भंगाल का दौरा कर आपदा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने हेलिपैड के आसपास बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और प्रशासनिक अधिकारियों से राहत एवं पुनर्वास कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने बड़ा भंगाल तक सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए अधिकारियों को प्रत्येक किलोमीटर के लिए अलग–अलग निविदाएं आमंत्रित करने तथा कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने को कहा। उन्होंने सड़क निर्माण के लिए आवश्यक मशीनरी को हवाई मार्ग से पहुंचाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने बड़ा भंगाल सड़क निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की। क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बहाल करने के संबंध में मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बिजली विभाग



को गांव में उपयुक्त क्षमता के डीजल जनरेटर स्थापित करने तथा सभी घरों में विद्युत कनेक्शन और वायरिंग के लिए सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए।

सड़क सुविधा उपलब्ध होने तक वैकल्पिक बिजली व्यवस्था जारी रखने का आश्वासन देते हुए उन्होंने अपर बड़ा भंगाल और लोअर बड़ा भंगाल के लिए एक–एक डीजल जनसेट उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त बाढ़ से प्रभावित जलविद्युत परियोजना को पुनः संचालित करने तथा सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने बड़ा भंगाल के प्रसिद्ध राजमाह की अलग ब्रांडिंग कर उसे विशेष पहचान और बेहतर बाजार मूल्य दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय कृषि एवं बागवानी को प्रोत्साहित करते हुए लोगों से अखरोट एवं चेस्टनट के पौधे लगाने का आह्वान किया। स्थानीय मीट उत्पादों को भी बेहतर मूल्य उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया गया। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। मोबाइल नेटवर्क सुविधा के संबंध में ग्रामीणों द्वारा उठाई गई मांग पर मुख्यमंत्री ने निजी दूरसंचार कंपनियों से बातचीत कर शीघ्र मोबाइल सेवा आरंभ करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने वन भूमि का उपयुक्त क्षेत्र चिन्हित कर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए तथा बड़ा भंगाल को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने बड़ा भंगाल के विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना लाने, छात्रावास निर्माण पर विचार करने तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने की बात कही। उन्होंने घोषणा की कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने और समाप्त होने के समय हेली–टैक्सी सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही बच्चों को सीबीएसई स्कूलों में प्रवेश दिलाने की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया।

स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं हेतु प्रशिक्षित करने की बात कही, ताकि दुर्गम क्षेत्र में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे राजनीति करने नहीं, बल्कि बड़ा भंगाल के लोगों का दुख–दर्द समझने आए हैं। उन्होंने कहा कि यदि राजनीति करनी होती तो वे अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में जाते, लेकिन उनकी सरकार का उद्देश्य प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे लोगों तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिमला में बैठकर योजनाएं बनाई जा सकती हैं, लेकिन धरातल पर लोगों की वास्तविक समस्याओं को समझने के लिए क्षेत्र का दौरा आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बड़ा भंगाल को प्राकृतिक पंचायत घोषित करने, क्षेत्र को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिलाने के लिए प्रयास करने तथा राशन डिपो में खाद्यान्न कोटा बढ़ाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बाढ़ से सुरक्षा के लिए प्रोटेक्शन वॉल निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने दो स्थानीय महिला मंडलों को दो–दो लाख रुपये तथा एक युवक मंडल को एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने पात्र महिलाओं को इंदिरा गांधी सुख सम्मान निधि के तहत 1500 रुपये प्रतिमाह पेंशन देने की घोषणा भी की।

हिमाचल के चंबा में दर्दनाक हादसा : गहरी खाई में गिरी कार, चार लोगों की मौत

नकरोड। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के तीसा उपमंडल में नकरोड़–हिमगिरि डैम साइड सड़क पर हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा देर रात हुआ, लेकिन अंधेरा और सुनसान इलाका होने के कारण इसकी जानकारी रविवार सुबह स्थानीय लोगों को मिली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार नकरोड़ से हिमगिरि की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार गहरी खाई में जा गिरी। रात के समय घटना का किसी को पता नहीं चला। सुबह स्थानीय लोगों की नजर खाई में गिरे वाहन पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत प्रशासन और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दुर्गम खाई में राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद चारों शवों को बाहर निकाला गया। फिलहाल मृतकों की पहचान और वाहन मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक डॉ. हंसराज भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया, शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार सकलानी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि नकरोड़–हिमगिरि मार्ग पर हुए इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हुई है।

मनीमाजरा में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की नई शाखा का उद्घाटन

चंडीगढ। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, चंडीगढ़ अंचल के अंतर्गत आज मनीमाजरा में नई शाखा का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। शाखा का उद्घाटन हरियाणा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री प्रद्युम्न सिंह के कर–कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र के उप अंचल प्रबंधक श्री एल. राजकिशोर पात्रो सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री प्रद्युम्न सिंह ने नई शाखा के शुभारंभ पर बैंक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं उद्यमियों को बेहतर एवं सुलभ वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नीट–यूजी और यूजीसी–नेट जैसी परीक्षाओं की तारीख निर्धारित हो : परगट सिंह

होशियारपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और विधायक परगट सिंह ने आज होशियारपुर में नीट स्कैम और पेपर लीक को लेकर राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली के पूरी तरह ध्वस्त होने पर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी अपने मूल दायित्व को निभाने में पूरी तरह विफल रही है, जिसके कारण नीट–यूजी और यूजीसी–नेट जैसी कई राष्ट्रीय परीक्षाओं लीक और रद्द हुई हैं। एक शिक्षा मंत्री के तौर पर विधायक परगट सिंह ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि तुरंत केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। पेपर लीक माफिया की उनके साथ संभावित संबंधों की जांच होनी चाहिए। शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किए जाने चाहिए। अब कोई और पेपर लीक नहीं होना चाहिए। हर साल नीट–यूजी और यूजीसी–नेट जैसी परीक्षाओं और भर्ती के लिए निर्धारित सलाना कैलेंडर लागू किया जाना चाहिए। जिसमें परीक्षा की तारीखें पहले से घोषित हों और नियुक्ति की समय सीमा पहले ही घोषित की जाएं। परगट सिंह ने कहा कि सिर्फ नीट परीक्षा के लिए ही 22 लाख से अधिक परिवार मिलकर हर साल लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। जबकि हमारे देश की एजुकेशन का साल का बजट 1.40 लाख करोड़ है। यानि की हर साल जितना शिक्षा पर बजट खर्च किया जाता है, उतना पैसा नीट की तैयारी में स्टूडेंट्स और उनके माता पिता का लग रहा है। उन्होंने खुलासा किया कि नीट जैसी परीक्षाओं में रोजगार की गारंटी देने की बात की जाती है, लेकिन सच्चाई यह है कि हर 1,000 छात्रों में से मुश्किल से 12 ही स्थायी और वेतनभोगी नौकरियां पा पाते हैं। जबकि आईआईटी के 80: स्नातकों को भी रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। परगट सिंह ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 10 साल में भारत में पेपर लीक के 89 संदिग्ध मामले सामने आए। जिनमें कम से कम 6.2 करोड़ स्टूडेंट्स प्रभावित हुए। कम से कम 48 परीक्षाएं दोबारा करवानी पड़ी और 22 परीक्षाएं तो करवाए जाने से पहले ही रद्द हो गईं। नीट–यूजी 2024 के अलावा 2019 के बाद देश के 19 राज्यों में कम से कम 64 बड़ी परीक्षाएं पेपर लीक के आरोपों का सामना कर चुकी हैं। इनमें 45 सरकारी भर्ती परीक्षाएं थीं और कम से कम 27 परीक्षाएं रद्द या स्थगित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के सीनियर नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का हर एक सदस्य युवाओं की आवाज सुनने और उनका भविष्य सुरक्षित होने तक शांत नहीं बैठेगा। कांग्रेस छात्रों और अभिभावकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए हर संभव लड़ाई लड़ी जाएगी। इस मौके पर पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा, जिला कांग्रेस प्रधान दलजीत सिंह गिल्लजियां, पूर्व विधायक पवन कुमार आदिया, पूर्व विधायक इंदू बाला, पूर्व युवा प्रधान अमरप्रीत सिंह लाली, सीनियर कांग्रेस नेत्री यामिनी गोमर, प्रधान सिटी कांग्रेस नवी रीहल, रोहित जोशी, अमरपाल काका, सरवन सिंह और नरवीर नंदी भी मौजूद रहे।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

क़लिंग समाचार | राउरकेला, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ-6

आरएसपी द्वारा पाश्र्वांचल ग्रामीण महिलाओं को कांथा सिलाई एवं फैब्रिक पेंटिंग का प्रशिक्षण



राउरकेला २८/१० (संवाददाता): सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) की एक विशिष्ट सी.एस.आर. पहल के अंतर्गत, एल.ई.ए.डी. एस., राँची के सहयोग से कांथा सिलाई एवं फैब्रिक पेंटिंग में तीन माह का आजीविका सृजन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में नुआगाँव ज़्लॉक की 22 वंचित वर्ग की महिलाएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उद्घाटन समारोह में आर.एस.पी. के महा प्रबंधक (सी.एस.आर.), श्री बिभावसु मलिक मुज़्य अतिथि थे, जबकि नुआगाँव, सुंदरगढ़ की अध्यक्षा, श्रीमती बिस्वासी टोपनो, नुआगाँव के बी.डी.ओ., श्री ज्योति बिकाश दाश तथा नुआगाँव के ए.बी.डी.ओ., श्री समरेन्द्र कुमार सरा सज़्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर एल.ई.ए.डी. एस. के निदेशक, श्री ए.के.सिंह, आर.एस.पी. के उप महा प्रबंधक (सी.एस. आर.), श्री आर.एस. बारा, आई.सी.डी. एस. की श्रीमती मंजुलता मलिक तथा आर.एस.पी., एल.ई.ए.डी.एस. एवं ज़्लॉमक कार्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। समारोह का आयोजन नुआगाँव ज़्लॉक कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर श्री मलिक ने महिलाओं के लिए रचनात्मक कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सतत आजीविका के अवसर सृजित करने में सहयोगी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। श्रीमती बिस्वासी टोपनो ने क्षेत्र की महिलाओं के उत्थान के लिए इस सार्थक पहल को प्रारंभ करने हेतु आर.एस.पी. और एल.ई.ए.डी.एस. के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री ज्योति बिकाश दाश ने गाँव की महिलाओं के लिए लाभकारी कौशल विकास कार्यक्रम प्रारंभ करने की दिशा में सेल, आर.एस.पी. और एल.ई.ए.डी. एस. के प्रयासों की सराहना की। श्री बारा ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए इस परियोजना के दीर्घकालिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य एक ऐसा आत्मनिर्भर तंत्र विकसित करना है, जो महिलाओं के लिए आजीविका के स्थायी अवसर सुनिश्चित कर सके। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। श्री ए.के.सिंह ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम का संचालन किया।

उल्लेखनीय है कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना तथा समावेशी सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है। यह पहल सेल, आर.एस.पी. के सी.एस.आर. उद्देश्यों के अनुरूप है। तीन माह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर द्वारा कांथा सिलाई एवं फैब्रिक पेंटिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे महिलाएँ चित्रकारी युक्त परिधान, गृह-सज्जा की वस्तुएँ तथा विभिन्न उपयोगी सहायक उत्पाद तैयार करने में सक्षम होंगी, जिनकी बाजार में माँग है। प्रशिक्षण के तीसरे माह से इन उत्पादों को बिक्री के लिए बाजार के विभिन्न विक्रय केंद्रों से भी जोड़ा जाएगा। प्रशिक्षणार्थियों का चयन गरीबी रेखा से नीचे (बी.पी.एल.) जीवनयापन करने वाले परिवारों से किया गया है।

इनमें 15 से 45 वर्ष आयु वर्ग की ऐसी महिलाएँ शामिल हैं, जिन्हें बुनियादी शिक्षा प्राप्त है तथा चित्रकारी का पूर्व अनुभव है। उल्लेखनीय है कि पहले बैच की कई प्रशिक्षित महिलाओं ने स्वयं सहायता ग्रुप (एस.एच.जी.) के माध्यम से अपनी आय के स्रोत स्थापित किए हैं। इस पहल के प्रथम एवं द्वितीय बैच के अंतर्गत विज़ीय वर्ष 2024-25 तथा 2025-26 में कुल 41 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया था।

इन बैचों की प्रशिक्षित महिलाओं ने क्रमशः लगभग 74,100/- रू. और 16,000/-रू. की आय अर्जित की, जो कौशल-आधारित स्वरोजगार के माध्यम से आय सृजन की इस पहल की क्षमता को दर्शाता है। विज़ीय वर्ष 2026-27 में कुल 22 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें 10 नई प्रतिभागी कांथा सिलाई एवं सोहराय चित्रकला की बुनियादी तकनीकें सीखेंगी, जबकि पूर्ववर्ती बैचों की 12 महिलाएँ कढ़ाई, सिलाई तथा उत्पादों की फिनिशिंग की विशेष तकनीकों में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। इससे उनके उत्पादों की गुणवज़ा और बाजार में बिक्री की संभावनाओं में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम को कुल 8.80 लाख रूपये की लागत से कार्यान्वित किया जा रहा है।

एमसीएल में सतर्कता जागरुकता सप्ताह २०२६ का आयोजन





संबलपुर, 27 अज़्टूबर, 2026= महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) द्वारा सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय के अंतर्गत 26 अज़्टूबर से 1 नवंबर, 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताहङ्क2026 मनाया जा रहा है। उद्घाटन दिवस पर एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री उदय अनंत काओले ने मुज़्य सतर्कता अधिकारी, श्री संबीत सौरव नायक तथा श्रीमती रेखा पांडेय, निदेशक (मानव संसाधन) की उपस्थिति में कंपनी मुज़्यालय में कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सतर्कता और सत्यनिष्ठा का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से सतर्कता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मंगलवार को श्री संबीत सौरव नायक की अध्यक्षता में एक बिडर्स मीट (निविदादाताओं की बैठक) का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। बैठक में एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से आए निविदादाताओं ने अपने विचार एवं सुझाव किये और पारदर्शिता बढ़ाने तथा कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए एमसीएल प्रबंधन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस सप्ताहव्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत एक साइज़्लोथॉन का भी आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों सहित लगभग 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सप्ताह के दौरान एमसीएल मुज़्यालय तथा सभी परिचालन क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों और जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

महिला से १५ लाख से ज्यादा की साइबर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर २८/१० (संवाददाता):ओडिशा में पुरी जिला पुलिस ने एक वैवाहिक ऐप पर छज़ीसगढ़ सरकार में अतिरिक्त सचिव स्तर का अधिकारी बनकर एक महिला से कथित तौर पर 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक साइबर जालसाज को गिरज़्तार किया है, पुरी एसपी प्रतीक सिंह ने कहा। आरोपी की पहचान 44 वर्षीय बलभद्र प्रसाद मिश्रा के रूप में हुई है, जो ओडिशा के अनुगोला जिले में टाउन पुलिस सीमा के अंतर्गत मटियासाही का निवासी है। मिश्रा ने कथित तौर पर खुद को भारत मैट्रिमोनी ऐप पर पंजीकृत किया और खुद को छज़ीसगढ़ सरकार में अतिरिक्त सचिव स्तर के अधिकारी के रूप में महिला नर्स के रूप में पेश किया। उसने उसके साथ संबंध भी बनाए। सिंह के अनुसार, पीड़ित नर्स की शिकायत के बाद 13 अज़्टूबर को पुरी के साइबर अपराध और ईओ पुलिस स्टेशन में मामला (31/26) दर्ज किया गया था। आरोपी ने कथित तौर पर उसकी बहन को नौकरी दिलाने का वादा करके पैसे लिए और बाद में जब उसे उस पर शक होने लगा तो उसने उसे केबीके क्षेत्र में स्थानांतरित कराने की धमकी दी। पुरी एसपी ने कहा कि आरोपी ने कथित तौर पर महिला को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक में तीन बैंक खाते खोलने के लिए मजबूर किया। सिंह ने कहा, कुछ दिनों बाद, पीड़िता को पता चला कि इन बैंक खातों के माध्यम से उसके नाम पर 13 लाख रुपये से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया था।

उन सभी ऋण राशि को आरोपी ने वापस ले लिया और उसका उपयोग किया। इसके बाद, उसने हमसे संपर्क किया और मामला दर्ज कराया। उन्होंने आगे खुलासा किया कि आरोपी ने टोयोटा कार खरीदने और होटल में ठहरने और हवाई यात्रा सहित एक शानदार जीवन शैली बनाए रखने पर पैसा खर्च किया। सिंह ने कहा कि पुलिस ने उसके कज़्जे से 14 बैंक पासबुक, नौ चेक बुक, 17 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, छह मोबाइल फोन और 10,000 रुपये नकद जज़्त किए। एसपी ने आगे कहा कि आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित मामले पहले संबलपुर और शहीद नगर, हवाई अड्डे और भुवनेश्वर के लिंगराज पुलिस स्टेशनों में दर्ज किए गए थे। आगे की पूछताछ करने पर, यह पता चला कि उसके 12 खाते विभिन्न राज्यों में फ्रीज कर दिए गए हैं। चूंकि उसके खाते अन्य राज्यों में फ्रीज कर दिए गए हैं, इसलिए यह संदेह है कि वह एक अंतरराज्यीय धोखाधड़ी रैकेट चला रहा है। हम जांच में गहराई से उतरेंगे, अन्य राज्यों के साथ समन्वय करेंगे और पता लगाएंगे कि उसने और कहां और कितनी अन्य महिलाओं को धोखा दिया है, कितने राज्यों में उसकी गतिविधियां फैली हुई हैं, और उसने कितने लोगों को धोखा दिया है, पुरी एसपी ने कहा।

विशेष अभियान 6 के अंतर्गत एमसीएल में ई-वेस्ट प्रबंधन पर नुक्कड़ नाटक आयोजित



संबलपुर २८/१० (संवाददाता) विशेष अभियान 6 के अंतर्गत महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) द्वारा मुज़्यालय कार्यलय में ई-वेस्ट प्रबंधन, इलेज़्ट्रॉनिक कचरे के जिज़्मेदार निपटान तथा इससे जुड़े पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती रेखा पांडेय, निदेशक (मानव संसाधन) ने कार्यस्थल पर सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने तथा स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी पहलों में सामूहिक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रोत्साहित किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से इलेज़्ट्रॉनिक कचरे के संग्रहण, वर्गीकरण एवं वैज्ञानिक तरीके से निपटान के लिए पर्यावरण के प्रति जिज़्मेदार व्यवहार अपनाने के महत्व को रेखांकित किया गया।

रोचक संवाद के माध्यम से इलेज़्ट्रॉनिक उपकरणों के कम उपयोग, पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण (Reduce, Reuse, Recycle) की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

साथ ही, अनुपयोगी विद्युत एवं इलेज़्ट्रॉनिक उपकरणों को अधिकृत ई-कचरा संग्रहण एवं पुनर्चक्रण प्रणालियों के माध्यम से निस्तारित करने का संदेश दिया गया। यह नुक्कड़ नाटक विशेष अभियान 6 के अंतर्गत की गयी, जिसका आयोजन 2 अज़्टूबर से 31 अज़्टूबर, 2026 तक किया जा रहा है। इस वर्ष अभियान का विशेष जोर ई-वेस्ट प्रबंधन पर है। अभियान के माध्यम से कम उपयोग, पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण का संदेश प्रसारित करते हुए कर्मचारियों एवं हितधारकों को स्वच्छ पर्यावरण और सतत भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सिविल /सीएसआर) सहित अन्य विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे7

पुलिस मुठभेड़ में १७ मामलों में वांछित अपराधी धायल

झारसुगुड़ा २८/१० (संवाददाता): ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में सोमवार सुबह पुलिस के साथ मुठभेड़ में 17 आपराधिक मामलों में वांछित एक व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मुठभेड़ सुबह करीब 6 बजे हुई जब ओरिएंट इलाके के निवासी बंटी प्रसाद की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद ओरिएंट पुलिस स्टेशन की एक विशेष टीम ने अमदरा जंगल में तलाशी और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस के अनुसार, प्रसाद ने कथित तौर पर यह महसूस करने के बाद कि वह घिरा हुआ है, टीम पर गोलियां चला दीं।

जवानों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, इस दौरान एक गोली उनके बाएं पैर में लगी। एसपी जी राघवेंद्र रेड्डी ने कहा कि प्रसाद को प्रारंभिक उपचार के लिए कालियाखानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया और बाद में झारसुगुड़ा जिला मुज़्यालय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। एसपी ने कहा, उनकी हालत स्थिर है।

रेड्डी ने कहा, प्रसाद 17 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जिनमें डकैती, जबरन वसूली, हमला और आग्नेयास्त्र अपराध शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एक 7.65 मिमी माउजर पिस्तौल, तीन खाली कारतूस के खोल और एक मोटरसाइकिल जज़्त की गई। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस ने संगठित अपराध और अवैध हथियारों की तस्करी के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति बनाए रखी है। उन्होंने जनता से अपील की कि अगर कोई पैसे वसूलने का प्रयास करता है तो पुलिस को सूचित करें।

राज्य में सियासी घमासान, सीजेपी के समर्थ पर नवीन पटनायक से भाजपा नाराज

भुवनेश्वर २८/१० (संवाददाता): ओडिशा की सज़ारूढ़ भाजपा ने बीजद प्रमुख नवीन पटनायक पर राजनीतिक लाभ के लिए देश में बांग्लादेश जैसी स्थिति बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है, ज़्योंकि उन्होंने दिल्ली में दो सीजेपी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की थी। मंगलवार को अपने आधिकारिक एज़्स हैंडल पर एक पोस्ट में, भाजपा ने आरोप लगाया कि पटनायक कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की रिहाई का आह्वान करने के बाद सज़ा परिवर्तन के प्रयासों का समर्थन कर रहे थे, जो 13 अज़्टूबर को जंतर-मंतर की ओर मार्च के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद से न्यायिक हिरासत में हैं। एनईईटी प्रश्न पत्र लीक विवाद के बाद सीजेपी के विरोध का समर्थन करने वाले पटनायक ने कहा कि निषिद्ध क्षेत्र में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराने पर लंबे समय तक हिरासत में नहीं रखा जाना चाहिए।

उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी ने कहा, %%पटनायक अपनी राजनीति चमकाने के लिए देश में बांग्लादेश जैसे हालात पैदा करना चाहते हैं! पार्टी ने पटनायक पर शासन परिवर्तन गतिविधियों का समर्थन करने का भी आरोप लगाया। आप (पटनायक) 24 वर्षों तक ओडिशा के मुज़्यमंत्री थे और अब केवल 24 महीनों के लिए सज़ा से बाहर हैं, और आप पहले ही शासन परिवर्तन अधिनियमों का सहारा ले चुके हैं? बांग्लादेशी शैली में हिंसक शासन परिवर्तन चाहने वाली अराजकतावादियों और विदेशी विज़ पोषित भारत विरोधी ताकतों के लिए आपका समर्थन राज्य में हजारों अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को बसाने के आपके इतिहास को देखते हुए आश्चर्य की बात नहीं है। आपने न केवल उन्हें मतदाता बनने की अनुमति दी, बल्कि



आप एसआईआर प्रक्रिया का भी विरोध कर रहे हैं, भाजपा ने दावा किया। पार्टी ने कहा, ओडिशा हमेशा शांतिप्रिय और भारत की संप्रभुता का सज़्मान करने वाला रहा है, हमारे राष्ट्र की संप्रभुता अस्थायी राजनीतिक पीआर से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। दुनिया के पांडुओं द्वारा संचालित होना बंद करें। भाजपा प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने भी पटनायक की आलोचना की और सुझाव दिया कि बीजद अध्यक्ष को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरह प्रचार नहीं करना चाहिए। बिस्वाल ने कहा, भारत एक लोकतंत्र है, भीड़तंत्र नहीं! सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने शांति भंग करने और सार्वजनिक शांति भंग करने की आशंका का हवाला देते हुए 21 अज़्टूबर तक आगे की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्होंने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि नवीन बाबू सुप्रीम कोर्ट की ओर राहुल गांधी के मार्च के समान मॉडल का अनुसरण करते हुए न्यायिक प्रणाली पर दबाव डालने का प्रयास कर रहे हैं। एक पूर्व सीएम से इस तरह के आचरण की उज़्मीद नहीं की जाती है। हम तब तक इंतजार नहीं कर सकते जब तक कि भारत फ्रांस, स्पेन, बेल्जियम और इटली में देखी गई भीड़तंत्र और सड़क अशांति का गवाह न बन जाए।

बिस्वाल ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्य नागरिकों को अपनी आवाज उठाने की अनुमति देते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि लोकतंत्र हिंसक विरोध प्रदर्शन को वैध नहीं बनाता है या किसी को भी भारतीय सेना और दिल्ली पुलिस जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं देता है। भाजपा की यह टिप्पणी पटनायक द्वारा एज़्स पर एक पोस्ट में दास और रांका की तत्काल रिहाई के आह्वान के बाद आई है। जय हिंद। ससआशुतोष रांका और ससौरवदास की न्यायिक हिरासत की तत्काल समीक्षा की जानी चाहिए और उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। निषिद्ध क्षेत्र में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराने पर इतनी लंबी हिरासत की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। न्यायपालिका और कार्यपालिका को यह सुनिश्चित करने के लिए आगे आना चाहिए कि इस देश के युवा कानून के शासन और संवैधानिक अधिकारों में विश्वास न खोएं, पटनायक ने कहा। दीपके ने दास और रांका को समर्थन देने के लिए बीजद प्रमुख को धन्यवाद दिया। इस बीच, दिल्ली क्राइम ब्रांच सीजेपी नेताओं के खिलाफ दर्ज दो मामलों की जांच करेगी। जंतर-मंतर क्षेत्र में दास और रांका के कथित प्रवेश से संबंधित दूसरा मामला सोमवार को अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि 13 अज़्टूबर को दास, रांका, अजिंज़्य शिंदे और 11 अन्य सीजेपी सदस्य कथित तौर पर निजी परिसरों में अतिक्रमण करने के बाद जंतर-मंतर पहुंचे, जिसे एक निर्दिष्ट विरोध स्थल के रूप में अधिसूचित किया गया है। मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों ने हस्तक्षेप किया और उन्हें रोकने का प्रयास किया। सभी 14 लोगों को हिरासत में लिया गया और दो एफआईआर दर्ज की गईं. दास और रांका को 14 अज़्टूबर को एक विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने कथित तौर पर शांति बांड का उल्लंघन करने के लिए पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। उनकी न्यायिक हिरासत सोमवार को दो दिन के लिए बढ़ा दी गई।